राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 04 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–284 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस क्यों करा रही इंतजार, इसमें किसका घाटा; यूपी बिहार में बढ़ रही टेंशन

नई दिल्ली। अखिलेश यादव से लेकर उमर अब्दुल्ला तक ने पिछले दिनों INDIA गठबंधन में सीट शेयरिंग पर बात न होने पर चिंता जताई थी। उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। हम फिर बैठेंगे और मिलकर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। इसके बाद इसी सप्ताह अखिलेश यादव की पार्टी ने साफ कर दिया कि हम 65 सीटों पर लड़ेंगे। इसके बाद बाकी 15 को कांग्रेस, आरएलडी और अपना दल कमेरावादी जैसे दलों के लिए छोड़ा जाएगा। इससे साफ था कि कांग्रेस भले मामले को टाल रही है, लेकिन सपा जैसे दल अपनी रणनीति पर आगे बढ़ चुके हैं। यह चिंता गुरुवार को तब और बढ़ गई, जब बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि INDIA गठबंधन में कुछ काम नहीं हो रहा है। उन्होंने पटना में सीपीआई की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमने कांग्रेस को आगे किया था, लेकिन उसे तो 5 राज्यों के चुनाव से ही फुर्सत नहीं है। गठबंधन का तो काम ही नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि सोशलिस्ट और कम्युनिस्ट को मिलकर ही नेतृत्व करना है। कांग्रेस ने नीतीश कुमार के बयान पर शाम तक रिएक्शन दिया और कहा कि 5 राज्यों के चुनाव बेहद अहम हैं, उसके बाद हम इस पर विचार करेंगे।

नीतीश की बात का जवाब बिहार से ही आया

नीतीश की बात का जवाब बिहार कांग्रेस चीफ अखिलेश प्रसाद सिंह की तरफ से ही आया। उन्होंने कहा, राज्यों से ही देश बनता है। लोकसभा के चुनाव तो अभी दूर हैं और उससे पहले 5 राज्यों के चुनाव हैं। इसलिए कांग्रेस उनमें बिजी है और वहां से फ्री होते ही लोकसभा सीटों के बंटवारे पर बात होगी। हालांकि कांग्रेस के रणनीतिकारों का कहना है कि सीट शेयरिंग में देरी की वजह व्यस्तता नहीं है। इसकी वजह रणनीतिक है। दरअसल कांग्रेस चाहती है कि विधानसभा चुनाव में जीत के बाद यदि INDIA गठबंधन में सीटों पर बात होगी तो उसकी मोलभाव की ताकत ज्यादा होगी।

क्यों यूपी-बिहार से ज्यादा तीन राज्यों तो अहम मान रही कांग्रेस

कांग्रेस को लगता है कि उसकी छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में अच्छी संभावनाएं हैं। इसके अलावा तेलंगाना और राजस्थान में भी वह कमजोर नहीं है। इसलिए चुनाव में यदि उसके लिए अच्छे नतीजे आए तो फिर सीट शेयरिंग के दौरान उसकी बात में वजन होगा। यूं भी यूपी और बिहार में उसका संगठन बेहद कमजोर है और उससे

> ● नीतीश की बात का जवाब बिहार कांग्रेस चीफ अखिलेश प्रसाद सिंह की तरफ से ही आया। उन्होंने कहा, राज्यों से ही देश बनता है। लोकसभा के चुनाव तो अभी दूर हैं और उससे पहले 5 राज्यों के चुनाव हैं। इसलिए कांग्रेस उनमें बिजी है और वहां से फ्री होते ही लोकसभा सीटों के बंटवारे पर बात होगी।

पहले वह मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही फोकस कर रही है। इसकी वजह यह है कि यहां वह भाजपा से सीधी लड़ाई में है। यहां यदि विधानसभा में वह मजबूत रही तो लोकसभा में भी फायदा मिलेगा। ऐसे में वह अपने लिए ज्यादा संभावनाओं वाले राज्यों पर पहले फोकस कर रही है।

एल्विश यादव बुरे फंसे; नोएडा में सांप के जहर और विदेशी लड़कियों वाली पार्टी का बड़ा खुलासा

नोएडा। बिग बॉस ओटीटी विजेता एल्विश यादव के खिलाफ नोएडा में पुलिस ने केस दर्ज किया है। एल्विश और उनके साथियों पर नोएडा में रेव पार्टी कराने का आरोप लगा है। इनमें प्रतिबंधित सांपों के जहर के इस्तेमाल और विदेशी लड़कियों को बुलाए जाने की बात कही गई है। एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एल्विश यादव के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। हालांकि, वह मौके पर मौजूद नहीं थे। स्टिंग ऑपरेशन में फंसे आरोपियों के कब्जे से 20 मिलीलीटर जहर और 9 जिंदा सांप बरामद किए गए। जिनमें 5 कोबरा, एक अजगर, दो दुमुही सांप और एक रेट स्नेक (घोड़ा पछाड़) हैं। इन सापों और जहर का इस्तेमाल पार्टी में नशे के लिए किया जाता था। एल्विश यादव समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत केस दर्ज किया गया है। बीजेपी सांसद मेनका गांधी की ओर से संचालित संस्था पीएफए के एक अधिकारी को नोएडा और एनसीआर के फॉर्म हाउसेज में सांपों के जहर से रेव पार्टी की सूचना मिली थी। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने एल्विश यादव का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें खबर मिली थी कि यूट्यूबर इन फॉर्म हाउस में वीडियो शूट कराते हैं और रेव पार्टी की जाती है, जिसमें विदेशी लड़कियों को भी बुलाया जाता है। उनका आरोप है कि एक मुखबिर ने एल्विश यादव से संपर्क किया और नोएडा में रेव पार्टी करने और सांपों के जहर का प्रबंध करने को कहा। कथित तौर पर एल्विश ने अपने एजेंट राहुल का नंबर दिया और उनका नाम लेकर बात करने को कहा। इसके बाद राहुल से बात की गई तो वह रेव पार्टी के लिए तैयार हो गया। राहुल ने अपनी टीम के साथ गुरुवार को सेक्टर 51 के सेवरोन होटल में पहुंचने की बात कही। इधर डीएफओ नोएडा को सूचना दी गई थी। जैसे ही राहुल और उसकी टीम के लोग मौके पर पहुंचे तो ट्रैप करने के लिए खड़े लोगों ने उनसे बात की और सांप दिखाने को कहा। सांप देखने के बाद नोएडा सेक्टर 49 पुलिस और क्षेत्रीय वन अधिकारी दादरी को सूचना दी गई। पुलिस ने सभी सभी आरोपियों को दबोच लिया।

दिल्ली की हवा जहरीली हुई, 5वीं तक के स्कूल बंद

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। इंडिया गेट, अक्षरधाम, रोहिणी, आनंद विहार समेत 13 इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के ऊपर दर्ज किया गया। AQI 300 से ऊपर की रेंज बेहद खतरनाक कैटेगरी में मानी जाती है। हवा की क्वालिटी खराब होने पर कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट ने दिल्ली-NCR में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के थर्ड स्टेज को लागू कर दिया। GRAP का स्टेज III तब लागू किया जाता है जब AQI 401-450 की सीमा में गंभीर हो जाता है। इसके चलते कुछ क्षेत्रों में BS III पेट्रोल और BS IV डीजल चार पहिया वाहनों पर सख्त प्रतिबंध लग जाता है। वहीं गैर-जरूरी निर्माण-तोड़फोड़ और रेस्टोरेंट में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाती है। CM अरविंद केजरीवाल ने पांचवीं क्लास तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को शुक्रवार और शनिवार के लिए बंद करने का आदेश दिया है। दिल्ली में वायु प्रदूषण पर अपोलो हॉस्पिटल के डॉ. निखिल मोदी ने कहा कि हम साल के उस समय में हैं जहां प्रदूषण एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। सांस लेने में परेशानी वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है। समय आ गया है कि हम मास्क का इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ने पर ही बाहर निकलें।

3 साल बाद अक्टूबर में दिल्ली की हवा की क्वालिटी सबसे खराब रही-दिल्ली में 3 साल बाद अक्टूबर में हवा की क्वालिटी सबसे खराब दर्ज की गई है। SAFAR इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर के

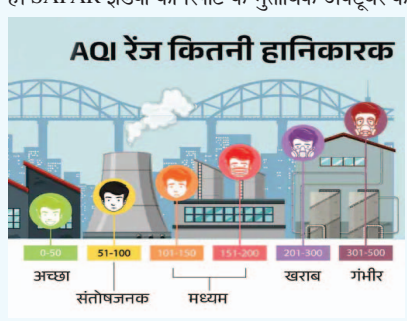

आखिरी दिन राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेक्स 327 दर्ज किया गया। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के डेटा के मुताबिक अक्टूबर 2020 में दिल्ली का औसत AQI 257 दर्ज किया गया था। इसके अलावा अक्टूबर 2021 में AQI 173 और अक्टूबर 2022 में 210 AQI दर्ज किया गया था।

नई तकनीकों ने बढ़ाई निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की सहभागिता

रायपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और नई तकनीकें निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी एवं सहभागिता बढ़ा रही हैं। प्रौद्योगिकी में निरंतर विकास का असर निर्वाचन कार्यों पर भी साफ तौर पर देखा जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग नई तकनीकों और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग निर्वाचन को और ज्यादा सुगम, निष्पक्ष तथा समावेशी बनाने में कर रहा है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर नागरिक का जागरूक और सजग रहना जरूरी है। इसे ध्यान में रखकर बीते कई चुनावों में प्रौद्योगिकी आधारित प्रणाली विकसित कर उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अब आयोग विभिन्न मोबाइल एप्स विकसित कर नागरिकों को निर्वाचन प्रक्रिया से सीधे जोड़ रहा है। आयोग की इस नई पहल से मतदाता ज्यादा सशक्त होने के साथ ही निर्वाचन तंत्र का सक्रिय सहभागी बन गया है। आइए कुछ ऐसे प्रमुख मोबाइल एप्स के बारे में जानते हैं जो आज के दौर में निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की सहभागिता को बढ़ा रही हैं।

वोटर हेल्प लाइन एप

वोटर हेल्पलाइन एप से मतदाता अपना मतदाता परिचय पत्र (एपिक) नम्बर डाल कर बहुत ही आसानी से अपने विधानसभा, पोलिंग बूथ एवं मतदाता सूची में सरल क्रमांक पता कर सकते हैं। यदि एपिक नंबर नहीं मालूम है तो मतदाता अपना विवरण जैसे कि नाम, रिश्तेदार का नाम,

उम्र, लिंग एवं विधानसभा क्षेत्र की जानकारी भरकर अपना नाम मतदाता सूची में खोज सकते हैं। यदि मतदाता का मोबाइल नंबर मतदाता सूची में पंजीकृत है तो मतदाता अपना ईङ्कएपिक भी डाउनलोड कर सकता है। मोबाइल नम्बर रजिस्टर्ड न होने की स्थिति में आवश्यक सुधार के लिए फॉर्म-8 में आवेदन कर ई-एपिक भी डाउनलोड कर सकता है। इस एप के जरिए मतदाता अपना नाम जोड़ने, विलोपन, स्थानांतरण या संशोधन के लिए आवेदन भी कर सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्र समेत किसी भी अन्य क्षेत्र के प्रत्याशियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं जिससे मतदाता अपने मताधिकार से पहले इस बात से अवगत हो सके कि वह किसका चुनाव करने जा रहे हैं। इसमें प्रत्याशी द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र भी देखा जा सकता है। इसके जरिए मतगणना दिवस को विधानसभावार परिणाम की अधिकृत जानकारी भी देखी जा सकती है। इस एप से निर्वाचन सम्बन्धी शिकायत भी की जा सकती है। मतदाताओं की जागरूकता के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईव्हीएम) के संचालन संबंधी वीडियो भी इसमें अपलोड हैं।

सी-विजिल एप - इस एप के जरिए आम नागरिक निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान होने वाली गड़बड़ी की तस्वीर और वीडियो को सीधे निर्वाचन आयोग को भेज सकता है। निर्वाचन के दौरान अगर किसी भी नागरिक को यह दिखता है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है तो वह इस एप पर अपनी शिकायत भेज सकता है। शिकायतकर्ता फोन पर सी-विजिल एप्लीकेशन डाउनलोड कर सीधे घटना की फोटो या वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में सात न्यायाधीशों की नियुक्ति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के लिए सात न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। अधिवक्ताओं - विनय सराफ और विवेक जैन, न्यायिक अधिकारियों - राजेंद्र कुमार वाणी, प्रमोद कुमार अग्रवाल, बिनोद कुमार द्विवेदी, देवनारायण मिश्र और गजेंद्र सिंह को पदोन्नत कर न्यायाधीश बनाया गया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्तियों से संबंधी की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय की कालेजियम ने 07 अक्टूबर को पांचों नामों की सिफारिश की थी।

पटना हाई कोर्ट में दो न्यायाधीश नियुक्त

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पटना उच्च न्यायालय में दो न्यायाधीशों की नियुक्ति की है।

न्यायिक अधिकारियों - रुद्र प्रकाश मिश्रा और रमेश चंद मालवीय को पदोन्नत कर न्यायाधीश बनाया गया है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग न

एक अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति से संबंधी यह घोषणा की। उच्चतम न्यायालय की कालेजियम ने 17 अक्टूबर को दोनों न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश की थी।

केजरीवाल को पेशी का नया समन भेजेगी ईडी, जांच एजेंसी ने बताया क्यों है इतनी जल्दी?

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा समन को नजरअंदाज करने का फैसला एजेंसी के लिए हैरान करने वाला था। सूत्रों ने केजरीवाल के आखिरी मिनट में समन पर पुनर्विचार की बात को खराब कानूनी सलाह बताया है। उन्होंने कहा कि इस मामले की सुनवाई जल्द खत्म करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री को नया समन जारी किया जाएगा। द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के सूत्रों ने कहा कि केजरीवाल द्वारा बताए गए कारण - पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा

चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के प्रचार में उनकी करीबी भागीदारी और पार्टी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देने की उनकी आवश्यकता - केवल उन्हें समन को जस्टिफाई करने का काम करते हैं। ईडी को लिखे अपने पत्र में, केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री और आप का राष्ट्रीय संयोजक होने के नाते उन्हें चुनाव प्रचार के लिए (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में) यात्रा करनी पड़ती है और पार्टी के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को राजनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करना पड़ता है। ईडी के एक सूत्र ने कहा, पार्टी के प्रचार के साथ केजरीवाल की इतनी करीबी भागीदारी से पता चलता है कि वह पार्टी के गोवा में प्रचार के लिए शराब घोटाले से अपराध की आय के कथित उपयोग से अनजान नहीं हो सकते थे। यह एक संकेत है कि ईडी के जांचकर्ता केजरीवाल से गोवा में पिछले विधानसभा चुनावों के लिए आप के चुनाव प्रचार में उनकी भागीदारी के स्तर के बारे में पूछताछ के लिए उठाए गए आधार की ओर इशारा कर सकते हैं, विशेष रूप से क्या वह गोवा प्रचार में शराब घोटाले से मिली रिश्वत के उपयोग के बारे में जानते थे और इसमें शामिल थे। सूत्र ने कहा कि पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट का एक प्रश्न था - जिसने ईडी के इस आरोप को अस्थायी रूप से स्वीकार कर लिया था कि शराब घोटाले से मिली 338 करोड़ रुपये की रिश्वत का इस्तेमाल गोवा में किया गया था - कि एजेंसी ने,क्कमुखिया से पूछताछ क्यों नहीं की थी जब इसने आरोप लगाया था कि रिश्वत का इस्तेमाल गोवा में प्रचार के लिए किया गया था, जिसके कारण एजेंसी ने अदालत को बताया था किया कि वह,क्कके मुखिया पर सवाल-जवाब करना चाहती है, जिससे केजरीवाल के लिए समन का मंच तैयार हो गया। हालांकि, अगले दिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया था कि यह बात सिर्फ एक कानूनी प्रश्न था और किसी भी राजनीतिक दल को फंसाने के लिए नहीं।

महुआ मोइत्रा से बॉयफ्रेंड पर पूछा होगा सवाल तो संन्यास ले लूंगा, निशिकांत दुबे का खुला चैलेंज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा एथिक्स कमेटी का बचाव किया है। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि अगर साबित हो जाता है कि तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा से पुरुष मित्र को लेकर कोई प्रश्न किया गया था, तो वह राजनीति से संन्यास दे देंगे। साथ ही उन्होंने समिति पर लगे आरोपों को लेकर बहुजन समाज पार्टी सांसद दानिश अली पर भी सवालिया निशान लगाए हैं।

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफार्म X पर भाजपा सांसद दुबे ने लिखा, अनुसूचित जाति के सांसद विनोद सोनकर जी की छवि को बसपा सांसद दानिश अली ने ठेस पहुंचाई है। दर्शन हीरानंदानी ने अपने हलफ़नामे में महुआ (भ्रष्टाचारी सांसद) के देश-विदेश के हवाई जहाज़,होटल व गाड़ी के खर्च (पैसे) देने की बात कही है। उन्होंने आगे लिखा, एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष सोनकर जी ने महुआ से टिकट व होटल का बिल मांगा, यदि इसके अलावा उन्होंने महुआ जी के किसी भी पुरुष मित्र या होटल में पुरुष मित्र के साथ रुकने का प्रश्न पूछा होगा तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। उन्होंने कहा, जानकारी के लिए संसद की तरह ही संसदीय कमेटी में भी डिबेट शब्दशः लिखा जाता है। कांग्रेस और जदयू के सांसद में यदि हिम्मत है तो डिबेट की कॉपी दिखाऐं। महिला के विक्टिम कार्ड के चक्कर में इतने ओछे नहीं बनिए दानिश।

क्या बोले थे दानिश अली?

अली ने महुआ से किए गए सवालों की तुलना द्रौपदी के चीरहरण से की थी। उन्होंने कहा था कि समिति के अध्यक्ष महुआ से निजी सवाल पूछ रहे थे, जो असहनीय था। उन्होंने कहा था, वे अनैतिक सवाल पूछ रहे थे कि रात में किससे

बात करते हो, कैसे बात करते हो, ये चेयरमैन पूछेगा क्या? यह बहुत हुआ

जांच के दौरान महुआ समेत कई सांसदों ने वॉकआउट किया था। बाहर आने पर टीएमसी सांसद ने आरोप लगाए थे कि समिति में उनसे घिनौने सवाल किए जा रहे हैं। उन्होंने इस संबंद में लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भी लिखा है।

मोइत्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि पैसे लेकर सवाल पूछने से संबंधित आरोपों को लेकर आचार समिति के समक्ष पेशी के दौरान उनके साथ अनैतिक, अशोभनीय, पूर्वाग्रहपूर्ण व्यवहार किया गया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर ने मामले से संबंधित सवाल पूछने के बजाय, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक तरीके से उनसे सवाल करके पूर्वनिर्धारित पूर्वाग्रह प्रकट किया। मोइत्रा ने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए पत्र में लिखा, मैं आज बहुत व्यथित होकर आपको पत्र लिख रही हूं ताकि आपको आचार समिति की सुनवाई के दौरान समिति के अध्यक्ष द्वारा मेरे साथ किए गए अनैतिक, घृणित और पूर्वाग्रहपूर्ण व्यवहार के बारे में जानकारी दे सकूं। मुहावरे की भाषा में कहूं तो उन्होंने समिति के सभी सदस्यों की उपस्थिति में मेरा वस्त्रहरण किया।

समिति के अध्यक्ष ने भी लगाए आरोप

इधर, सोनकर ने भी महुआ पर असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, जवाब देने के बजाए वह (महुआ) नाराज हो गईं और अध्यक्ष और समिति के सदस्यों के लिए असंसदीय भाषा का इस्तेमा किया। दानिश अली, गिरधारी यादव और अन्य विपक्षी सांसदों ने समिति पर आरोप लगाने की कोशिश की और बाहर चले गए...। समिति आगे की कार्रवाई के लिए बैठेगी...।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भ्रष्टाचार के खिलाफ

जब हम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को देश भर में अनेक जगहों पर भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर सक्रिय देख रहे हैं, तब किसी ईडी अधिकारी का रिश्वत लेते पकड़े जाना बहुत निराश करता है। अलबत्ता, राजस्थान में ईडी के एक अधिकारी व उसके सहयोगी की गिरफ्तारी जरूरी व स्वागतयोग्य है। किसी भी व्यवस्था में भ्रष्ट लोगों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। राजस्थान के नीमराणा में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने ईडी के अधिकारी को 15 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़कर भ्रष्टाचार के खिलाफ एक नया अध्याय लिख दिया है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ज्यादा जरूरी है, जांच एजेंसियों का पाक दामन होना। यह ईडी अधिकारी मणिपुर के इंफाल में तैनात था और वहां चिटफंड कंपनी के मामले की जांच कर रहा था। दोषियों या पीड़ितों को बचाने के लिए वह पैसे मांग रहा था। रिश्वत मांगने में राजस्थान सरकार का एक कर्मचारी भी शामिल था, उसको भी गिरफ्तार कर लिया गया है। भ्रष्टाचार का यह पहलू भी नया नहीं है कि मणिपुर के मामले को राजस्थान में रफा-दफा करने की साजिश रची जा रही थी। जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार के अनेक मामले हैं, जिनसे आम लोगों की चिंता में इजाफा होता है और सरकार के प्रति अविश्वास भी बढ़ता है। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच करोड़ रुपये के भुगतान मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह अफसोसनाक है कि सीबीआई भी दूध की धुली नहीं है। कुछ समय पहले ही असम पुलिस ने एक सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया था, यह अधिकारी एक व्यापारी से पैसे वसूलने की साजिश में जुटा था। और तो और, पिछले साल मई में स्वयं सीबीआई ने अपने ही चार सब-इंस्पेक्टरों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस की बात करें, तो उस पर ऐसे आरोपों को गिनते हुए कोई भी थक जाएगा। वास्तव में, भ्रष्टाचार समग्रता में एक बड़ी चिंता का विषय है। ऐसे में, जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की पैठ को पहले खत्म करना देश के तेज व न्यायपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह सवाल बहुत पुराना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ हमें कैसे लड़ना चाहिए? इसका एक ही उपाय है और वह हमारी व्यवस्था के तहत ही किया गया है। जांच एजेंसियों को जहां एक ओर, बाहर व्याप्त भ्रष्टाचार से लड़ना है, वहीं उन्हें अपने आंतरिक कमियों से भी निपटना होगा। जैसे ईडी के नाकारा अधिकारी को एसीबी ने पकड़ा है, जैसे एसीबी के धोखेबाज अधिकारियों को पुलिस या सीबीआई पकड़ती है, जैसे सीबीआई के भ्रष्ट अफसरों को स्वयं सीबीआई हथकड़ी पहनाती है, इस सुधार या सतर्क प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है। आखिर लोहा ही लोहे को काटता है। एजेंसियों को अपनी शुचिता, ईमानदारी, विश्वसनीयता बरकरार रखनी चाहिए। उन्हें कोई राजनीतिक कोण से न देखे, उनका कोई दुरुपयोग न करे, यह सुनिश्चित करने का काम भी स्वयं एजेंसियों का है। जांच एजेंसियों को नैतिकता के मजबूत चबूतरे पर पांव रखकर काम करना चाहिए। राजस्थान की ही अगर बात करें, तो चुनाव से पहले वहां ईडी की बढ़ी सक्रियता को गहलोत सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेता भी लगातार आरोप लगा रहे हैं कि एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बदलाव जारी रहेगा या फिर टूटेगा रिवाज

हरीश मलिक

राजस्थान में तीन दशक से रिवायत रही है कि जनता-जनार्दन हर पांच साल बाद सरकार को बदल देती है। पांच साल के लिए भाजपा और पांच साल के लिए कांग्रेस के इस रिवाज को इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बदलने का दावा कर रहे हैं और ताल ठोक रहे हैं कि उनकी सरकार 156 सीटों के साथ रिपीट होगी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इमेज पर सवार भाजपा थिंक टैंक का मानना है कि करप्शन-कुशासन और कांग्रेसियों की आपसी लड़ाई से परेशान राजस्थान की जनता गहलोत सरकार को डिलीट करके एक बार फिर चौतरफा विकास के लिए राज्य की बागडोर भाजपा को सौंपने की तैयारी कर चुकी है। भाजपा ने पार्टी के भीतर किसी भी चुनावी कलह को समाप्त करने के लिए सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंका है। यानी चुनावी चेहरा, कमल का निशान और पीएम मोदी ही रहेंगे। पार्टी की चुनावी व्यूह रचना भी इसी के ईद-गिर्द है। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए शंखनाद भले ही कुछ समय पहले हुआ हो, लेकिन पीएम मोदी का राजस्थान पर विशेष फोकस पिछले एक साल से है। इस अवधि में वे प्रदेश के 11 दौरे कर चुके हैं और अरबों के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण कर चुके हैं। पीएम ने प्रदेश की 200 में से करीब 125 विधानसभाओं के मतदाताओं को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से खुद के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। इनमें से सिर्फ 41 सीटें भाजपा ने 2018 के विधानसभा चुनाव में जीती थीं। यानी आधी से ज्यादा वो सीटें हैं, जो अभी दूसरे दलों या निर्दलीयों के खाते में हैं। भाजपा की रणनीति इन्हीं सीटों पर सेंध लगाने और खुद के गढ़ को और मजबूत करने की है। इसी रणनीति के तहत पीएम हर बार अलग-अलग संभागों में जा रहे हैं, ताकि सभी जिलों में पार्टी मजबूत हो। यही वजह है कि वे मारवाड़ से मेवाड़ तक, आदिवासी अंचल से गुर्जर बहुल विधानसभाओं तक, जाट-राजपूतों से लेकर आस्था केंद्रों तक और राजधानी से सीएम के गृह जिले तक हुंकार भर चुके हैं। चुनाव आयोग द्वारा तिथि बदलने के बाद राजस्थान में अब मतदान 25 नवंबर को होगा और नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। अहम सवाल यह उठ रहा है कि प्रदेश में बदलाव की परम्परा कायम रहेगी या रिवाज टूटेगा! मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सरकार रिपीट करने के लिए अपना पूरा प्रशासनिक व राजनीतिक कौशल झोंक रखा है। खासकर इस साल बजट के साथ ही वे चुनावी मोड पर आ गए और जनता के हर वर्ग के लिए कई लोकलुभावन और फ्री योजनाओं की झड़ी लगा दी। उन्होंने महिलाओं, मध्यम वर्ग, किसानों, व्यापारियों और जातिगत वोट बैंक को साधने की खूब कोशिश की है। युवा वर्ग जरूर रोजगार और नौकरी न मिलने से, पेपर लीक माफिया के हावी होने से सरकार से नाराज है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में मिली चुनावी सफलता का सिलसिला यहां भी बरकरार रख पाएगी? राजस्थान के चुनावों में करप्शन और लाल डायरी के बाद ईडी ने एंट्री मार ली है। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा तक लाल डायरी को मुद्दा बना रहे हैं। इसके साथ ही राजस्थान की चारों दिशाओं में चार परिवर्तन यात्राओं में सामूहिक नेतृत्व का मंत्र फूंकने की रणनीति नजर भी आई। राज्य के बजाय केंद्रीय नेताओं ने इन यात्राओं का आगाज किया और समापन पर खुद पीएम मोदी ने जयपुर आकर कांग्रेस को ललकारा। दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव से ऐन पहले ईडी के छापों को राजनीतिक मुद्दा बनाया है। कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी दबाव बनाने की राजनीति कर रही है। बता दें कि ईडी ने हाल ही में पेपर लीक मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के कई ठिकानों पर छापे मारे हैं। इतना ही नहीं, सीएम गहलोत के पुत्र और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत भी ईडी के रडार पर हैं। ईडी ने उन्हें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत समन भेजकर दिल्ली तलब किया है। पीएम मोदी के काम और नाम भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं और कांग्रेस इस ताकत का तोड़ जातीय सर्वेक्षण और ओबीसी आरक्षण में देख रही है। कांग्रेस कार्यसमिति की हैदराबाद बैठक में पारित प्रस्तावों से यह साफ हो गया था कि अब पार्टी की चुनावी रणनीति के यह दो अहम हथियार होंगे। महिलाओं के लिए विधायिका में आरक्षण को तत्काल लागू करने और ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने यानी जिसकी जितनी आबादी, उसको उतना हक वाली थीम पर चलते हुए कांग्रेस मोर्चाबंद हो रही है। राजस्थान में जातिगत सर्वे के साथ ही कांग्रेस पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को चुनावी मोर्चे पर ले आई है और वह इसके सहारे वोटों की फसल काटना चाहती है। 13 जिलों की करीब 85 सीटों को प्रभावित करने वाली ईआरसीपी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय परियोजना में शामिल नहीं किया है। कांग्रेस इसी को मुद्दा बनाकर पूर्वी राजस्थान में अपनी व्यूह रचना कर रही है। यह सर्वविदित है कि भाजपा की हाल की चुनावी सफलताओं में ओबीसी मतों की अहम भूमिका रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि ओबीसी में शामिल सभी जातियां भाजपा के समर्थन में खड़ी थीं। लेकिन भाजपा ने राज्यों की सामाजिक संरचना के अनुसार जातीय समीकरण बनाए और वह उनको वोटों में तब्दील करने में कामयाब रही। जैसे उत्तर प्रदेश में भाजपा को पता था कि सर्वाधिक ओबीसी वोट यानी यादव मत उसके पाले में नाममात्र के रहेंगे तो उसने गैर यादव ओबीसी मतों को एकजुट कर समीकरण साधे। लेकिन राजस्थान में तो भाजपा ओबीसी के सबसे बड़े मतदाता समूह को अपने साथ रखकर चलने की कोशिश कर रही है। राजस्थान भाजपा में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया की वापसी और पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा और जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल का पार्टी में आना इसी रणनीति का हिस्सा है। अभी राजनीति के कुछ और बड़े नाम हैं, जिन्हें भाजपा में मिलाने की हरचंद कोशिशें चल रही हैं। राजस्थान सरकार ने जातिगत सर्वेक्षण का आदेश पहले ही जारी कर दिया है। चुनावी मोर्चाबंदी में सीएम गहलोत का यह बड़ा चुनावी दांव है। राजस्थान में पिछले दो तीन महीनों में अगड़े- पिछड़े सभी जातीय समुदायों के सामाजिक सम्मेलन हुए, जिसमें ओबीसी में शामिल अग्रणी जातियों के सम्मेलन भी शामिल हैं। राज्य के सबसे बड़े व सबसे समर्थ ओबीसी समाज जाट समाज के सम्मेलन में ओबीसी आरक्षण को बढ़ाने और जातीय जनगणना की मांग प्रमुखता से उठी। इसके अलावा ओबीसी की अन्य जातियां जो आरक्षण का अभी तक समुचित फायदा नहीं उठा सकी हैं, उन्होंने भी अपने-अपने स्तर पर ओबीसी आरक्षण को तार्किक रूप से विभाजित करने की मांग उठाई और अपने लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग की। जातिगत सर्वेक्षण के सरकार के इस फैसले में ओबीसी की कमजोर जातियों को अपने लिए कुछ अच्छा नजर आ सकता है।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भ्रष्टाचार और बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर गहलोत सरकार को लगातार घेर रही भाजपा इस चुनौती का क्या तोड़ निकालती है।

लेखक वरिष्ठ संपादक हैं।

आर्थिक बदहाली में चुनाव की ओर पाक

राजनीतिक सरगर्मी/ जी. पार्थसारथी

पिछले दिनों विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में जिस तरह अनाड़ी कहे जाने वाले अफगान खिलाड़ियों के हाथों पाकिस्तान टीम की शर्मनाक हुई, उससे पाकिस्तानी अवाम बहुत मायूस हुई। कभी क्रिकेट जगत को दिए अपने सबसे काबिल खिलाड़ियों के गौरवमयी इतिहास की विरासत पर नाज़ करना और इसके बने रहने की आस करना स्वाभाविक भी है। लेकिन हालिया हार ने देश में मुश्किल आर्थिक हालातों से पहले से व्याप्त मायूसी में और इजाफा कर दिया। लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति (फिलहाल 29.5 फीसदी) के बीच पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि असामान्य रूप से महज 0.5 प्रतिशत दर्ज हुई है। मौजूदा ब्याज दर (22 प्रतिशत) होने से देश में व्यापारिक गतिविधियां बर्बादी की कगार पर हैं। चंद हफ्ते पहले, पाकिस्तान केंद्रीय बैंक ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 4.19 बिलियन डॉलर रह गया है, जिससे केवल एक महीने का आयात संभव है, वह भी जो, बहुत-सी बंदिशों के बाद करना जरूरी है। यह स्थिति न केवल अर्थशास्त्रियों के लिए बल्कि आम लोगों के लिए एक दु:स्वप्न है, हालिया भयंकर बारिश और अचानक आई अभूतपूर्व बाढ़ से देशभर मे 3.3 करोड़ लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सैलाब में लगभग 10000 लोगों की मौत और तकरीबन 10 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ बताया गया है। आर्थिक दुष्चक्र के अलावा ऐसी राजनीतिक घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण इमरान खान सरकार को जाना पड़ा। उनकी जगह शाहबाज़ शरीफ ने ली, जो पंजाब के सफल मुख्यमंत्री रह चुके हैं। हालांकि केंद्र में आकर उन्हें खस्ताहाल आर्थिकी और देशभर में व्याप्त ध्रुवीकरण से जूझना पड़ा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों के सामने झुकने और अंततः पूरा करने से पहले, पाकिस्तान को समझौते के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। लेकिन इस सारी सहायता के बावजूद, पाकिस्तान अभी भी विदेशी खैरात पर गुजर करने वाला एक मुल्क है। अपनी तंगदस्ती से वक्ती राहत पाने को वह समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और पड़ोसी अरब मित्र देशों, खासकर सऊदी अरब और यूएई से, मिली आर्थिक सहायता पर निर्भर है। इसी बीच जनरल असीम मुनीर, जो पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा के खासमखास थे, सेना प्रमुख बन गए। जनरल मुनीर के जहन में अवश्य ही वह यादें होंगी, जब इमरान खान ने उन्हें आईएसआई प्रमुख होने से महरूम रखा था और गैर-महत्वपूर्ण ओहदे देकर इधर-उधर घुमाते रहे। इस घटनाक्रम ने एक ओर इमरान खान तो दूसरी तरफ जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली सेना के बीच 'सब जायज है' वाली तनातनी की स्थिति बना दी। इमरान खान के खिलाफ अनेक मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायलय के मुख्य न्यायाधीश फैज़ ईसा का झुकाव उनको बचाने की ओर है। लेकिन मुख्य न्यायाधीश ईसा की राह भी अब उतनी आसान नहीं रही, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति उपरांत कनिष्ठ सहयोगियों की नज़र इस ओहदे पर है और उनके अंदर न तो इमरान खान को बचाने में फैज़ ईसा जितना चाव है और न ही वे ऐसा करके सेना की नाराज़गी मोल लेना चाहेंगे, जो आज भी मुल्क में बहुत ताकतवर और प्रभाव रखती है। इस सब के बीच, देश चुनावी लय पकड़ चुका है। जनवरी, 2024 में संसदीय चुनाव करवाने का कार्यक्रम है। उम्मीद करें कि पाकिस्तान की चुनाव मशीनरी, कानून एवं व्यवस्था और सेना की मदद से ऐसा प्रबंध करवा पाएगी, जो आगामी राष्ट्रीय चुनाव सफलतापूर्वक करवाने को जरूरी है। वर्तमान में तिथियां अगले साल जनवरी माह में करवाए जाने की हैं। फिलहाल जनरल मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के लिए आगे भी विकटता बनी रहेगी, खुद सेना के अंदर जनरल मुनीर को लेकर मतभेद हैं, क्योंकि उन्हें यह ओहदा पूर्व सेनाध्यक्ष बाजवा की 'आंख का तारा' होने की वजह से मिला है। खुद बाजवा के करिश्माई नेता इमरान खान से तीखे मतभेद हैं। लिहाजा ऐसी संभावना कम ही है कि इमरान खान कथित स्वतंत्र और पारदर्शी संसदीय चुनाव में बहुमत ले पाएंगे। शाहबाज़ सरकार ने इमरान खान पर अनेक मामले दर्ज दिए थे और इस काम में उनकी पीठ पर सेना का हाथ था। इसके अलावा, इमरान खान ने अपने घमंडी और शाही मिजाज़ से राजनीतिक बिरादरी में कई मित्र गंवा दिए हैं, इनमें भी सबसे अहम है सेना के शीर्ष नेतृत्व में, जो अब उनकी चुनावी हार करवाने पर आमादा है। उधर जनरल बाजवा से निकट संबंध होने के बावजूद जनरल मुनीर, धार्मिक आधार पर बंटे और सुन्नियों के दबदबे वाले पाकिस्तान में एक शिया सेनाध्यक्ष हैं। विगत में दो शिया सेनाध्यक्ष रहे हैं, जनरल मोहम्मद मूसा (1965) और याहया खान (1971) और दोनों के वक्त पाकिस्तान को भारत से युद्ध में करारी हार झेलनी पड़ी थी। इसलिए देखना यह है कि क्या जनरल मुनीर अपने पूर्ववर्ती और संरक्षक जनरल बाजवा की यथार्थवादिता को दोहराएंगे या फिर जनरल याहया खान की 1971 वाली लीक पर चलने को तरजीह देंगे। लगता है जनरल मुनीर अपनी छवि भारत के खिलाफ कड़े बयानों वाली बनाना चाहते हैं। हाल ही में जम्मू संभाग में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी और घुसपैठ हुई है। उम्मीद है, अपने पद पर जमने के बाद जनरल मुनीर अपने पूर्ववर्ती की राह पर चलेंगे और पाकिस्तान की आर्थिक जरूरतों और हदों के आलोक में यथार्थवादी नज़रिया रखेंगे। अगले साल भारत और पाकिस्तान में चुनावी माहौल का ज़ोर रहेगा। भारत में जिस तरह विदेशी और सुरक्षा नीतियों पर पक्ष-विपक्ष में आमतौर पर सर्वसम्मति रहती है उसके मुकाबले पाकिस्तान में हमेशा की तरह सेना की राय इन मामलों में हावी बनी हुई है, जिससे यह अंदाज़ लगाना मुश्किल हो जाता है कि नई सरकार बनने के बाद पाकिस्तान किस दिशा में जाएगा। लगता है पाकिस्तान एक बार फिर से गठबंधन सरकार बनाने की ओर अग्रसर है और नेता आगे भी सेना के प्रभाव तले बने रहेंगे। बेशक इमरान खान को चुनाव लड़ने से महरूम कर दिया गया है, लेकिन जनता पर उनका प्रभाव आज भी है, इस बात को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

विचार मंथन

लोकसभा की एथिक्स समिति में महुआ का चीरहरण?

(लेखक - सनत जैन)

लोकसभा सांसदों के आचरण की निगरानी करने वाली एथिक्स कमेटी के आचरण पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लग गया है। एथिक्स कमेटी के सभापति ने सदस्यों की उपस्थिति में महिला सांसद महुआ मोइत्रा से जिस तरह से निजी सवालों पर उनसे पूछताछ शुरू की। उससे महुआ मोइत्रा भड़क गई। महुआ मोइत्रा ने समिति की बैठक से वाकआउट किया। उनके साथ ही विपक्षी दलों के सांसद भी विरोध में वाक आउट करके बाहर निकल आए। बाहर निकलकर महुआ मोइत्रा ने कहा कि उनसे एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर द्वारा गंदे और अनैतिक सवाल पूछे गए। इस बात की पुष्टि अन्य विपक्षी सांसदों ने भी बैठक से बाहर निकलकर की। बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली ने कहा कि महुआ मोइत्रा से अध्यक्ष ने यह पूछा कि आप रात में किस से बात करती हैं। उनसे दुबई यात्रा के बारे में पूछा गया, उनसे पुरुष मित्रों के बारे में पूछा गया, गिफ्ट वह किन से लेती हैं कोई भी उन्हें गिफ्ट देकर उनसे मिल सकता है। महुआ मोइत्रा के व्यक्तिगत और निजी संबंधों की जानकारी अध्यक्ष द्वारा मांगी गई। उल्लेखनीय है कि महुआ मोइत्रा से पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में वह एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुई थी। समिति के अध्यक्ष लिखित प्रश्न के आधार पर उनसे एक के बाद एक जो प्रश्न पूछ रहे थे, जो उनकी निजी जिंदगी से संबंधित थे। किसी महिला का इस मामले में जवाब कमेटी के सामने दे पाना संभव नहीं था। महुआ मोइत्रा ने संसद में एक महिला का चीर हरण होने की संज्ञा देते हुए अपनी नाराजगी जताई है। लोकसभा अध्यक्ष और विशेष अधिकार समिति के कामकाज को लेकर नाराजगी अब स्पष्ट रुप से दिखने लगी है। विशेषाधिकार समिति के पास कई मामले पहले से ही लंबित पड़े हुए हैं, लेकिन उन मामलों में अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत पर महुआ मोइत्रा पर जिस ताबड़तोड़ तरीके की पूछताछ की जा रही है, कमेटी में जो दस्तावेज पेश किया जा रहे हैं, वह गोपनीय रखे जाने चाहिए थे। लेकिन समिति उन्हें सार्वजनिक रूप से मीडिया में उजागर कर रही है। संसद के अंदर जिस तरह से एक सांसद को भड़वा और कटुआ एक अन्य सांसद द्वारा कहा गया था, उस मामले में अभी तक कोई जवाब सवाल नहीं हुए। विपक्षी सांसदों के लिए अलग तरीके के नियम कानून और सत्ता पक्ष के सांसदों के लिए अलग तरह के नियम कानून और प्रक्रिया को अपनाये जाने का विरोध शुरू हो गया है। पिछले कुछ समय से लोकसभा अध्यक्ष की निष्पक्षता को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। लोकसभा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सदन के सभी सदस्यों के लिए समान भाव रखते हुए निष्पक्षता से काम करें। सदस्यों के अधिकारों को लेकर सचेत रहें। अध्यक्ष की कार्रवाई इस तरीके की होनी चाहिए की संसद सदस्यों के जो संवैधा निक अ धिकार हैं वह सुर क्षित रहें। सरकार से सारी जानकारी सांसद प्राप्त कर सकें और सरकार तक अपनी बात पहुंचा सकें। इसमें लोकसभा अध्यक्ष की बड़ी भूमिका होती है, लेकिन अब इस भूमिका पर ही प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। जो भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। संसद में कामकाज के घंटे लगातार कम होते जा रहे हैं। सांसद को संसद के अंदर बोलने का समय बहुत कम मिल पाता है। प्रश्नों का चयन लॉटरी सिस्टम से किया जाता है। सांसद जिस क्षेत्र के लिए चुने जाते हैं, उसकी बात भी नहीं उठा सकते हैं। सांसद सारे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है। संसद सदस्य को किसी भी विषय पर अपनी बात कहने का संसद में अधिकार है। जब संसद की कार्रवाई ही कुछ घंटे चलेगी, तब कैसे सांसदों के अधिकार सुरक्षित रह पाएंगे। एथिक्स कमेटी के अंदर जिस तरह महिला सांसद महुआ मोइत्रा के साथ व्यवहार हुआ है। भारतीय इ तिहास में कौरवों की सभासदों ने आंख नीची करके द्रोपदी के चीर हरण के साक्षी बने थे। विशेषा धिकार स मिति में चीर हरण तो नहीं हुआ है। हॉ म हिला की अ स्मिता जरुर तार-तार हुई है। उसकी निंदा ही की जा सकती है। संसद व्यक्तिगत लड़ाई का स्थान नहीं है। इस बात को भी ध्यान रखना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्पाइसजेट ने अपने नए व मौजूदा मार्गों पर 44 उड़ानों को किया शामिल

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को अपने नए और मौजूदा मार्गों पर 44 उड़ानें जोड़ने की घोषणा की। हाल ही में, एयरलाइन ने चार 737 मैक्स सहित आठ बोइंग 737 भी शामिल किए हैं। अपने उड़ान नेटवर्क का विस्तार करते हुए, स्पाइसजेट ने शिलांग और कोलकाता को दैनिक उड़ानों से जोड़ने की योजना की भी घोषणा की। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, स्पाइसजेट चेन्नई और पुणे, हैदराबाद और कोलकाता तथा जयपुर और दिल्ली के बीच भी कनेक्टिविटी बढ़ा रही है। एयरलाइन ने मुंबई को बैंकॉक से जोड़ने वाली एक दैनिक उड़ान भी शुरू की। स्पाइसजेट की मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने कहा, हम अपने नेटवर्क को बढ़ाने और अपने शीतकालीन शेड्यूल में 44 उड़ानें जोड़ने के लिए उत्साहित हैं। भाटिया ने कहा, यात्रियों की सुविधा पर विशेष ध्यान देते हुए उड़ानों का चयन सावधानीपूर्वक किया गया है, इससे उन्हें यात्रा के व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे।

पाल राजवंश की राजधानी रहे अस्कोट क्षेत्र की धरती के नीचे दबे सोने को निकालने की पहल

पिथौरागढ़। उत्तराखंड जिसे देवभूमि कहा जाता है, जहां न जाने कितने रहस्य छिपे हुए हैं। फिर चाहे वो रहस्य मंदिरों के हों या फिर किसी जगह के। उत्तराखंड में एक ऐसी ही जगह है, जहां की धरती में खरबों का सोना है। इस सोने को अब निकालने की भी कवायद तेज हो गई है। पाल राजवंश की राजधानी रहे अस्कोट क्षेत्र में धरती के नीचे दबे सोने को निकलने के लिए हैदराबाद की कंपनी से करार कर लिया गया है। केंद्र सरकार से प्रस्ताव के विस्तार की स्वीकृति का इंतजार है। डीडीहाट क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने पिथौरागढ़ में मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व में कराए गए भूगर्भीय सर्वेक्षण में अस्कोट से जौलजीबी और ओगला से भागीचौरा तक करीब 15 किमी. क्षेत्र के भूगर्भ में सोना, तांबा, जस्ता और शीशा होने की पुष्टि हो चुकी है। कनाडा की कंपनी ने भी सर्वे किया था। धरती के गर्भ से सोना निकाले जाने के लिए पूर्व में कनाडा की कंपनी के साथ गोल्ड माइन समझौता हुआ था। कंपनी ने क्षेत्र में कई सुरंग तैयार कर सर्वे पूरा कर लिया था। लेकिन, इस बीच अस्कोट अभ्यारण्य का पेंच फंस गया था। जिसके चलते कंपनी को अपना काम बंद करना पड़ा। उसके बाद हैदराबाद की कंपनी के साथ करार हुआ। बिशन सिंह चुफाल ने बताया कि अस्कोट अभ्यारण्य का पेंच हटने के बाद हैदराबाद की एक कंपनी ने सोना निकालने में रूचि दिखाई है। कंपनी के साथ करार हो चुका है। पूर्व में सोना, जस्ता, शीशा आदि खनिज निकालने के लिए जो लीज स्वीकृत हुई थी, उसके विस्तार का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। जल्द ही इसे स्वीकृति मिल जाने की उम्मीद है। खनन कार्य शुरू होते ही क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आयेगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने कहा कि आने वाला समय पिथौरागढ़ जनपद का होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलास और ओम पर्वत पहुंचने के बाद अब बड़ी तादाद में पर्यटक यहां आने लगे हैं। गढ़वाल में चारधाम यात्रा से जिस तरह हरिद्वार से बद्रीनाथ, केदारनाथ तक के लोगों को फायदा मिला है, उसी तरह आदि कैलास से पूरे जनपद के लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि तवाघाट-लिपुलेख सड़क को बेहतर बनाने के लिए भी कार्ययोजना बन रही है।

फेड के रुख से प्रेरित नहीं आरबीआई की नीतिः नागेश्वरन

नई दिल्ली ।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आज कहा कि अगर अमेरिका का फेडरल रिजर्व ब्याज दर में आगे और इजाफा करता है तब भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पर मौद्रिक नीति सख्त करने का दबाव नहीं होगा। हालांकि फेडरल रिजर्व ने बीते बुधवार को ब्याज दर में इजाफा नहीं किया मगर फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि अगर मुद्रास्फीति कम करने की दिशा में प्रगति रुकती है तो दरें फिर बढ़ाई जा सकती हैं। सिंगापुर में आयोजित बार्कलेज एशिया फोरम के दौरान एक टेलीविजन से नागेश्वरन ने कहा कि यदि फेड दर में 25 आधार अंक की वृद्धि करता या दो बार और इस तरह की बढ़ोतरी करता है तब भी आरबीआई पर इसका अनुसरण करते हुए दरें बढ़ाने का दबाव नहीं होगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि आरबीआई का दर वृद्धि का चक्र फेड से पूरी तरह जुड़ा नहीं है क्योंकि भारत का बाह्य संतुलन और वित्तीय स्थिरता 10 साल पहले की तुलना में अब काफी बेहतर है।

उस समय भारत फेड के रुख का अनुसरण करने वाले देशों में शामिल था। नागेश्वरन ने कहा कि

भारतीय रुपया इस साल सभी एशियाई मुद्राओं में सबसे स्थिर रहा है। वृहद आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुझे लगता है कि आरबीआई के पास पहले की तुलना में कुछ हद तक स्वतंत्रता है। वित्तीय मोर्चे यानी ब्याज और विनिमय दर दोनों काफी स्थिर हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 83.22 पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी कोषों की सतत निकासी से भी रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे नीचे आकर 83.26 पर पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू बाजार के सकारात्मक रुख से भी भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला और गिरावट सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.22 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में वह 83.26 पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 83.21 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ ही 106.11 पर था।

स्कूट एयरवेज पांच से सिंगापुर-चेन्नई हवाई सेवा फिर शुरू करेगा

चेन्नई । सिंगापुर एयरलाइंस की कम लागत वाली सहायक कंपनी स्कूट पांच नवंबर से सिंगापुर से चेन्नई के बीच अपनी दैनिक उड़ान सेवाएं फिर से शुरू कर रही है। एयरलाइन के भारत और पश्चिम एशिया के महाप्रबंधक ब्रायन टॉरे ने गुरुवार देर रात यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दैनिक सेवा 180 सीटों वाली सभी इकोनॉमी क्लास एयरबस ए320सीईओ के साथ संचालित की जाएगी। उडान संख्या टीआर578 सिंगापुर से उडान भरकर रात 11.50 बजे चेन्नई में उतरेगी और टीआर579 चेन्नई से 12.35 बजे प्रस्थान करेंगे और 07.20 बजे (स्थानीय समय) सिंगापुर चांगी पहुंचेंगी। उन्होंने विकास योजनाओं पर कहा कि उडान के क्षेत्र में भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है, जहां कम लागत वाली वाहक (एलसीसी) अपने व्यापारिक यात्रा, दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने के लिए और पहली बार बाहर जाने वाले भारतीय यात्रियों के जनसांख्यिकीय को समृद्ध करना चाहती है। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस, जो 15 देशों में 66 गंतव्यों के लिए उड़ान भर रही है, जल्द ही 2024 की शुरुआत में अपने एयरबस ए320, ए321 और बोइंग 787 के बेड़े में शामिल होने के लिए एमब्रेर ई190-ई2 विमान शामिल करेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 283 , निफ्टी 97 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने से भी बॉन्ड यील्ड में कमी आई है। इससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके अलावा व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.71 फीसदी और 0.94 फीसदी की बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 282.88 अंक करीब 0.44 फीसदी ऊपर आकर 64,363 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 64,535 तक बढ़ने के बाद 64,275 तक नीचे आया।

दूसरी तरफ पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.35 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 19,230 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,276 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 19,210 तक फिसला। आज कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 16 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इसमें टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ टाइटन के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.22 फीसदी ऊपर आये जबकि सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टाटा

स्टील, नेस्ले इंडिया और बजाज फाइनैंस सेंसेक्स के टॉप 5 नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान बजाज फिनसर्व के शेयरों को 2.37 फीसदी हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई है। बीएसई सेंसेक्स 350 अंक उछलकर 64,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 110 अंकों की उछाल के साथ 19,250 पर कारोबार कर रहा था। बाजार की चौतरफा खरीदारी में आईटी, ऑटो और मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिल रही है। वहीं अमेरिकी फेड बैंक का असर गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार पर साफ तौर से रहा। शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए।

अमेजन ने पहले कर्मचारियों को निकाला, अब फिर बुला रही वापस

नई दिल्ली ।

अमेजन ने बड़ी हजारों की संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। अब कंपनी कुछ कर्मचारियों को फिर से काम पर बुला रही है। एक कर्मचारी से तो कंपनी चार बार वापस नौकरी करने की गुहार लगा चुकी है परंतु, इस पूर्व कर्मचारी ने अमेजान में नौकरी न करने प्रण ले लिया है। उसका कहना है कि अमेजन ने उसकी कड़ी मेहनत को नजरअंदाज कर बहुत ही अभद्र तरीके से बाहर किया था। उसे अब ऐसी कंपनी में दोबारा काम नहीं करना। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेजन के पूर्व कारोबारी विश्लेषक ने कहा कि जनवरी 2023 में एक दिन उसे एक ई-मेल मिला जिसमें लिखा था कि अब उसकी कंपनी को कोई जरूरत नहीं है। उसका पद समाप्त कर दिया गया है। कंपनी उसे दो महीने की तनख्वाह देकर नौकरी से निकाल रही है। उसका कहना है कि कर्मचारियों की लेऑफ से दो महीने पहले कंपनी ने एक फॉर्म भरने को कहा जिसमें कर्मचारी द्वारा किए गए काम, कर्मचारियों के

पास कंपनी की मौजूद चीजों और आने वाले वर्षों में उनके द्वारा पूरे किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स की जानकारियां मांगी गई थी। यहां ही सबसे बड़ा घपला हुआ। उसने जैसे ही वह डॉक्यूमेंट भरकर शेयर किया तो दूसरे लोगों ने उसको एडिट कर दिया। उसके द्वारा किए गए काम और प्रोजेक्ट्स पर उन्होंने अपना दावा कर दिया। जो काम उसने किया था, उसे दूसरे लोगों ने अपना बता दिया। इतना सब होने पर भी कंपनी में किसी ने कुछ नहीं किया। मैनेजमेंट ने आश्वासन दिया की यह चिंता करने लायक मसला नहीं है।

दूसरी तिमाही में ज़ोमैटो को 36 करोड़ का शुद्ध लाभ, बिक्री 71 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने शुक्रवार को कहा कि उसने 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में टैक्स देने के बाद 36 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। इसका राजस्व 71 प्रतिशत बढ़कर 2,848 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वर्ष की समान अवधि में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने 1,661 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ 302 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था।ज़ोमैटो सीएफओ अक्षत गोयल ने शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कहा, हमारा मानना है कि अगली तिमाही में फूड डिलेवरी में वृद्धि मध्यम होगी - सिंगल डिजिट में, जो लगभग 25-30 प्रतिशत सालाना वृद्धि में तब्दील होनी चाहिए। शुक्रवार को जोमैटो के शेयर में 10 फीसदी से ज्यादा का उछाल आ गया। कंपनी ने कहा कि क्रिक कॉमर्स (ब्लिंकिट) व्यवसाय का योगदान वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में पहली बार पूरी तिमाही के लिए सकारात्मक रहा। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में धीमी वृद्धि (व्यवसाय में अस्थायी व्यवधानों के कारण) के बाद क्रिक कॉमर्स ने 29 प्रतिशत वृद्धि के साथ वापसी की। ज़ोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने कहा, ÷हमने पहली तिमाही में जो विकास गति देखी, वह हमारे सभी व्यवसायों में स्वस्थ विकास के कारण दूसरी तिमाही में जारी रही। हमारे बी2सी व्यवसायों (फूड डिलेवरी + क्रिक कॉमर्स + गोइंग-आउट) में साल-दर-साल 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जितना पूरी जिंदगी कायम, उससे ज्यादा गंवा दिया गौतम अडानी ने

मुंबई।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पिछले साल सितंबर में दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। यह मुकाम हासिल करने वाले अडानी एशिया के पहले शख्स बने थे। तब अडानी नेटवर्थ 150 अरब डॉलर से ज्यादा पहुंच गई थी। लेकिन जनवरी 2023 में आई एक रिपोर्ट ने उन्हें ऐसा झटका दिया कि वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप 20 से बाहर हो गए। अडानी इस साल सबसे ज्यादा दौलत गंवाने के मामले में पहले नंबर पर हैं। दिलचस्प बात है कि दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में इस साल जितनी उछाल आई है, करीब उतनी ही रकम अडानी ने गंवाई है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी ग्रुप के खिलाफ रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में अडानी ग्रुप ने शेयरों की कीमत के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि अडानी ग्रुप ने आरोपों का खंडन किया, लेकिन इसके बाद भी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई है। बुधवार को अडानी की नेटवर्थ में 1.49 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 58.7 अरब डॉलर रह गई। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 61.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है। यानी अडानी ने पूरी जिंदगी जितना कमाया है, उससे ज्यादा गंवा दिया है। अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अभी 22वें नंबर पर हैं।

इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने के मामले में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग पहले नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 67.4 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नौवें नंबर पर हैं। मस्क 198 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। अमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 160 अरब डॉलर दूसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि फ्रांस के जोसेफ आरनॉल्ट (157 अरब डॉलर) तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 85.7 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 11वें नंबर पर हैं।

एप्पल ने भारत में सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड किया हासिलः सीईओ टिम कुक

क्यूपर्टिनो (कैलिफ़ोर्निया)।

एप्पल ने सितंबर तिमाही में भारत में सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड हासिल किया है। इसके सीईओ टिम कुक ने कहा, देश में विकास की काफी संभावनाएं हैं, जहां बहुत सारे लोग मध्यम वर्ग में जा रहे हैं। गुरुवार देर रात कंपनी की तिमाही आय कॉल के दौरान, जहां एप्पल ने कहा कि उसने 89.5 बिलियन डॉलर का तिमाही राजस्व अर्जित किया है, आईफोन निर्माता ने जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत में बहुत मजबूत दोहरे अंकों में वृद्धि की।

कुक ने कहा, हमने भारत में सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड के साथ-साथ ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, इंडोनेशिया, मैक्सिको, फिलीपींस, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और कई देशों में सितंबर तिमाही के रिकॉर्ड राजस्व हासिल किए। उन्होंने कहा, सेवाओं में, हमने दो अंकों की वृद्धि के साथ और अपनी उम्मीदों से आगे बढ़कर एक सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड बनाया है। कुक ने कहा कि भारत उनके लिए एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार है और कंपनी के लिए एक प्रमुख फोकस है। एप्पल सीईओ ने कहा, एक बड़े बाजार में हमारी हिस्सेदारी कम है और इसलिए ऐसा लगता है कि वहां काफी गुंजाइश है। हम एक असाधारण बाज़ार देखते हैं जिसमें बहुत से लोग मध्यम वर्ग की ओर बढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा, बहुत सारे पॉजिटिव्स हैं, हमने वहां दो खुदरा स्टोर खोले हैं और वे हमारी अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, यह अभी भी शुरुआती दौर में है लेकिन उन्होंने अच्छी शुरुआत की है और इस समय चीजें जिस तरह से चल रही हैं उससे मैं और ज्यादा खुश नहीं हो सकता। वित्त वर्ष 2023 में भारत में एप्पल का राजस्व लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, बिक्री 48 प्रतिशत बढ़कर 49,321 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 76 प्रतिशत बढ़कर 2,229 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी ने इस साल तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर अवधि) में भारत में अपना अब तक का सबसे अधिक तिमाही शिपमेंट 2.5 मिलियन यूनिट को पार करते हुए दर्ज किया।

एप्पल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी लुका मेस्त्री ने कहा कि उभरते बाजारों में मजबूती के कारण कंपनी आईफोन पर सितंबर तिमाही के रिकॉर्ड पर पहुंच गई।

जीएसटी काउंसिल के मंत्री समूह के संयोजक बने यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना को माल एवं सेवाओं पर कर (जीएसटी) की दरों में संशोधन के लिए जीएसटी काउंसिल द्वारा गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) में संयोजक नामित किया गया है। जीएसटी काउंसिल द्वारा जीओएम में आंशिक संशोधन करते हुए इसे पुनर्गठित किए जाने से संबंधित आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसमें सुरेश खन्ना को अहम जिम्मेदारी प्रदान की गई है। काउंसिल की विभिन्न बैठकों में सुरेश खन्ना के द्वारा दिए गए जरूरी सुझावों को देखते हुए उन्हें संयोजक नामित किया गया है। इससे पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई जीओएम के संयोजक थे।उल्लेखनीय है कि जीएसटी काउंसिल जनहित में समय-समय पर कर की दरों में संशोधन करता रहता है। इसके लिए मंत्री समूह का गठन किया गया है। पुनर्गठित जीओएम में सुरेश खन्ना संयोजक होंगे, जबकि गोवा के परिवहन मंत्री मॉविन गोडिन्हो, बिहार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्थान के शहरी विकास मंत्री शांति कुमार धारीवाल, पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रमा भट्टाचार्य, कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा और केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल सदस्य होंगे।

एलन मस्क ने बताया, उनके बेटे का मध्य नाम चंद्रशेखर है : आईटी राज्यमंत्री

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को यूके में एआई सेफ्टी समिट के उद्घाटन के दौरान टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब मस्क द्वारा संचालित टेस्ला और स्टारलिंक इंटरनेट सेवा भारत के बाजार में प्रवेश करने पर नजर गड़ाए हुई हैं। मस्क ने मंत्री को बताया कि उनके बेटे का मध्य नाम भी चंद्रशेखर है। अरबपति ने अपने बेटे का नाम प्रोफेसर सुब्रमण्यन चंद्रशेखर के नाम पर शिवोन ज़ीलिस रखा।

मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, देखो, मैं ब्रिटेन के बैलेचले पार्क में #AISafetySummit में किससे मिला।@एलोनमस्क ने साझा किया कि @hivon के साथ उनके बेटे का मध्य नाम चंद्रशेखर है - जिसका नाम 1983 के नोबेल भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर एस. चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है। इससे पहले, यूके में पहली बार एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने

कहा कि एक नया ढांचा बनाने की जरूरत है, जहां उपयोगकर्ता के नुकसान के मुद्दे पर इंटरनेट प्लेटफार्मों की अधिक जवाबदेही हो।

उन्होंने दुनिया के शीर्ष नेताओं की सभा में कहा, अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले सभी लोगों की सुरक्षा और विश्वास सुनिश्चित करने में प्लेटफ़ॉर्म की अधिक जवाबदेही है, चाहे वह एआई हो या व्यापक इंटरनेट।

Sports

विराट को आउट करना चाहते हैं डच गेंदबाज आर्यन

बेंगलुरु । यहां के चेन्नास्वामी स्टेडियम में 12 नवंबर को भारत ओर डच टीम नीदरलैंड का मुकाबला होगा। इसी मुकाबले को लेकर डच टीम के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त बेहद उत्साहित हैं। आर्यन को उम्मीद है कि इस मुकाबले में वह भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली को विकेट लेने में सफल रहेंगे। आर्यन इसके लिए तैयारियों में लगे हुए हैं। इस गेंदबाज ने अब तक इस विश्वकप के 6 मैचों में पांच रन प्रति ओवर के औसत से 8 विकेट लिए हैं। दत्त ने 1992 विश्व कप में न्यूजीलैंड की ओर से दीपक पटेल द्वारा निभाई गई भूमिका की तुलना करते हुए कहा कि मैं हर विकेट को अहम मानता हूं। कोहली को आउट करना इस विश्व कप में सबसे अच्छा उपहार होगा। मैं अपनी तुलना पटेल से नहीं करता पर मुझे भारतीय पिचों पर गेंदबाजी करने में आनंद आ रहा है। उन्हें गेंदबाजी में विविधता से लाभ हुआ है। आर्यन ने कहा कि मुझे अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और मैं उन दिग्गज बल्लेबाजों के बारे में नहीं सोचता जिन्हें मुझे गेंदबाजी करनी है। मेरा लक्ष्य लगातार सही लेंथ पर गेंद डालना और बल्लेबाजों को अपनी गति और टर्न के जरिये शिकार बनाना है। वह गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

कोरिया के साथ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए अजेय भारत प्रबल दावेदार

रांची,

जैसे ही झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 अपने चरम पर पहुंच रही है, भारतीय महिला टीम शनिवार को एक बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया से भिड़ने के लिए तैयार है। टूर्नामेंट में अजेय रिकॉर्ड के साथ, भारत के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें पांच पूल चरण मुकाबलों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है। सेमीफाइनल में जाने से पहले भारतीय महिला टीम आत्मविश्वास से भरी होगी, जिसने पहले अपने आखिरी पूल चरण मुकाबले में कोरिया को 5-0 से हराया था। मेजबान टीम निश्चित रूप से मनोवैज्ञानिक लाभ हासिल करेगी और टूर्नामेंट में अपना दबदबा जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। महत्वपूर्ण मैच से पहले, भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच जेनेक शोपमैन ने अपने विचार साझा किए, ÷हमारी टीम ने इस प्रतियोगिता में उल्लेखनीय लचीलापन और एकता का प्रदर्शन किया है। पूल चरण में कोरिया के खिलाफ जीत शानदार से कम नहीं थी, लेकिन, हम जानते हैं कि सेमीफाइनल पूरी तरह से एक अलग चुनौती होगी क्योंकि नॉकआउट गेम में हमेशा अतिरिक्त दबाव होता है। हालांकि, हमारे खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार हैं, और वे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हैं। इस बीच, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने टूर्नामेंट में टीम की अब तक की यात्रा पर विचार करते हुए कहा, ÷हम सेमीफाइनल में पहुंचकर रोमांचित हैं और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए वास्तव में आभारी हैं। हमारा लक्ष्य अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराना है। कोरिया के खिलाफ सफलता और फाइनल में जगह पक्की करना। हमारा ध्यान ऐसा प्रदर्शन करने पर है जो इस टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत को दर्शाता हो। विरोधी पक्ष में, कोरिया अपने पांच पूल चरण खेलों से सात अंक अर्जित करके अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। टूर्नामेंट में उनकी यात्रा ने उन्हें दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ खेलते हुए देखा है। आमने-सामने के रिकॉर्ड में, भारत और कोरिया ने अब तक एक-दूसरे के खिलाफ 21 मैच खेले हैं। कोरिया ने 12 जीत के साथ बढ़त बनाए रखी है, जबकि भारत छह मैचों में विजयी रहा है, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। यह दिलचस्प प्रतिद्वंद्विता एक मनोरम सेमीफ़ाइनल मुकाबले के लिए मंच तैयार करती है। फाइनल में जगह दांव पर होने के साथ, भारत और कोरिया के बीच मुकाबला कौशल, दृढ़ संकल्प और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन होने का वादा करता है। जैसा कि ये दोनों टीमें आपस में लड़ने की तैयारी कर रही हैं, प्रशंसक उत्सुकता से एक रोमांचक मैच का इंतजार कर रहे हैं जो झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 की नियति को आकार दे सकता है।

विश्व कप टिकटों की कथित कालाबाजारी, कैब और ऑनलाइन पोर्टल के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की शिकायत

कोलकाता।

कोलकाता पुलिस ने रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले आईसीसी विश्व कप मैच के टिकटों की कथित कालाबाजारी के आरोप में शिकायत दर्ज करने के बाद बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) और टिकट बुक करने वाले ऑनलाइन पोर्टल के अधिकारियों को तलब किया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। इस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने गुरूवार को कैब और पोर्टल के अधिकारियों को नोटिस जारी कर उनके समक्ष प्रस्तुत होने के लिए कहा था लेकिन कोई भी उनके समक्ष पेश नहीं हुआ। बुधवार को मैदान पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया जिसमें क्रिकेट प्रशंसकों ने टिकटों की कालाबाजारी करने का आरोप लगाया था। इसमें उन्होंने कैब और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों के साथ एक ऑनलाइन पोर्टल के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बीसीसीआई और कैब के कुछ अधिकारियों ने ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले पोर्टल के साथ मिलकर जानबूझकर आम जनता के लिए काफी संख्या में टिकट रिजर्व कर दिये और इससे ये कालाबाजारी करने वालों को उपलब्ध हो गए। कैब के एक सीनियर अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि वे सिर्फ मैच की मेजबानी कर रहे हैं और वे टिकटों की बिक्री में शामिल नहीं हैं जिसकी जिम्मेदारी ऑनलाइन पोर्टल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की है।

मोहम्मद शमी ने विकेट लेने का कारगर तरीका ढूंढ लिया है: बेन स्टोक्स

(एजेंसी)

मौजूदा विश्व कप में इंग्लैंड को स्टोक्स की मौजूदगी से भी ज्यादा मदद नहीं मिली। टीम छह में पांच मैचों हार का सामना करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। स्टोक्स ने कहा कि मुझे लगता है कि समस्या यह है कि हमने जो भी योजना बनाई उसका कोई असर नहीं हुआ। हमने काफी खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस पूरे विश्व कप में हमने जो कुछ भी करने की कोशिश की है, वह प्रभावी नहीं रहा। प्रतिद्वंद्वी टीम पर दबाव बनाने की बात हो या फिर खुद दबाव से बाहर निकलने की बात हो हम हर मामले में विफल रहे। स्टोक्स ने कहा कि मोहम्मद शमी इस विश्व कप में अब तक के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे है। उन्होंने कहा कि मैंने शमी के खिलाफ बहुत क्रिकेट खेला है, वह एक शानदार गेंदबाज है और मुझे लगता है कि हमने उसे कल रात देखा था और उन्होंने विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन किया जो वास्तव में काफी अभूतपूर्व है। मुझे लगता है कि वह स्पष्ट रूप से विश्व कप का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उसने हर मैच को खेला है लेकिन कम मैचों में उसने जितने विकेट लिए हैं वह अविश्वसनीय है। उसने विकेट लेने का कारगर तरीका ढूंढ लिया है। स्टोक्स ने कहा कि हमारी टीम के खिलाफ भी उसके स्पैल ने अंतर पैदा किया था। शमी ने पूरे विश्व कप में शानदार गेंदबाजी की है। स्टोक्स को बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले अभ्यास के दौरान इनहेलर का इस्तेमाल करते देखा गया था। उनसे इस बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में अभ्यास के समय मैं आम तौर पर इसका इस्तेमाल करता हूं लेकिन यहां ठंड नहीं है।

विश्कप में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

अहमदाबाद।

विश्कप में शनिवार को पांच बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी। वहीं इंग्लैंड की टीम विश्वकप से बाहर हो गयी है ऐसे में उसका लक्ष्य ऑस्ट्रेलियाई टीम का खेल बिगाड़ना रहेगा। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी बल्लेबाजी की बदौलत लगातार चार जीत से टूर्नामेंट में वापसी की है। वह आठ अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रही है।

वहीं गत विजेता इंग्लैंड को खराब बल्लेबाजी के कारण चार हार का सामना करना पड़ा और टीम पिछले तीन मैचों में 170 रन या इससे कम के स्कोर पर आउट हो गयी। इस मैच से पहले दोनों टीम अलग अलग तरह की समस्याओं से परेशानियों से निपट रही हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने दो अहम खिलाड़ियों मिशेल मार्श और ग्लेन मैक्सवेल के बिना ही उतरना होगा। मार्श को निजी कारण से स्वदेश लौटना पड़ा जबकि मैक्सवेल को सिर में चोट लगी है। शीर्ष क्रम में उसे बल्लेबाज मार्श की कमी खलेगी। वहीं मैक्सवेल निचले क्रम पर आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचने थे। उन्होंने विश्व कप में सबसे तेज शतक भी जड़ा।

मार्श और मैक्सवेल की जगह पर कैमरन ग्रीन और मार्क'स स्टोइनिस को टीम में जगह मिलना तय है। वहीं इंग्लैंड का प्रयास इस मैच में जीत के लिए सभी

संयोजन अपनाना है। जिससे उसकेअंतिम एकादश में बदलाव की उम्मीद है। हैरी ब्रुक की टीम वापसी की उम्मीद है जबकि चोटिल रीस टॉप्ले की जगह आये ब्राइडन कार्स के भी मैच में खेलने की उम्मीद है। इंग्लैंड को 2025 में चैम्पियंस ट्राफी के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को बनाये रखने के लिए इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। विश्व कप में शीर्ष सात टीमें ही पाकिस्तान में 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर पायेंगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो इंग्लैंड की टीम एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया से 155 भिड़ंत में 87 मैच हारी है जबकि विश्व कप में टीम छह में से तीन मैच हारी है।

संक्षिप्त समाचार

मेदवेदेव विश्व टेनिस लीग में पुनित बालन ग्रुप की टीम का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली, विश्व के नंबर 3 शीर्ष टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव स्टार-स्टडेड रोस्टर का नेतृत्व करेंगे क्योंकि पुनित बालन ग्रुप (पीबीजी) ने शुक्रवार को विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के दूसरे सीज़न में एक टीम के साथ वैश्विक खेल क्षेत्र में प्रवेश की घोषणा की। यह आयोजन 21 से 24 दिसंबर तक अबु धाबी में यस द्वीप के एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा, जहां दुनिया के 16 सर्वश्रेष्ठ टेनिस सितारे अनोखे खेल और मनोरंजन कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धा करेंगे। पुनित बालन समूह के स्वामित्व वाली टीम का नाम पीबीजी इंगल्स है। पुनित बालन समूह ने पहले ही भारत में विभिन्न खेल लीगों में नौ टीमों में निवेश किया है और समूह को अब एक पावर-पैक टीम दिखाई देगी, जिसमें विश्व नंबर 5 आंद्रेई रुब्लेव भी शामिल होंगे, जो भारतीय संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे। मेदवेदेव, जिन्होंने 2021 यूएस ओपन जीता और इस साल के विंबलडन में सेमीफाइनलिस्ट रहे, अबु धाबी में साल का शानदार अंत करने पर नजर रखेंगे। मेदवेदेव ने भारतीय टीम के लिए खेलने को लेकर अपना उत्साह साझा किया। उन्होंने कहा पिछले साल खिलाड़ियों ने जो अनुभव किया, उसे देखने के बाद, मुझे अबु धाबी में विश्व टेनिस लीग के इस सीज़न में शामिल होने पर खुशी हो रही है। मैंने संयुक्त अरब अमीरात में कई बार खेला है और वापस आकर हमेशा आनंद लेता हूं, और मैं इस साल को वहां सकारात्मक तरीके से समाप्त करने का लक्ष्य बना रहा हूं। विश्व टेनिस लीग में एक आकर्षक प्रारूप होगा जो खिलाड़ियों को चार टीमों में विभाजित करेगा, जिसमें पहले से तीसरे दिन तक प्रत्येक दिन के लिए दो मैच निर्धारित होंगे, जिसमें मिश्रित युगल के साथ-साथ पुरुष और महिला एकल और युगल शामिल होंगे। इसके बाद शीर्ष दो टीमें 24 दिसंबर को प्रतिष्ठित खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। 'ग्रेटेस्ट शो ऑन कोर्ट' के रूप में गढ़े गए इस कार्यक्रम में महिलाओं की विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका, ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 फाइनलिस्ट स्टेफानोस सितसिपास और चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वीयाटेक भी शामिल होंगी।

विश्व कप के बाद बेन स्टोक्स के बाएं घुटने की होगी सर्जरी

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने कहा है कि मौजूदा पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के बाद वह अपने बाएं घुटने की समस्या को ठीक करने के लिए सर्जरी कराएंगे। 32 वर्षीय स्टोक्स पिछले 18 महीनों से अपने बाएं घुटने के आसपास की समस्या से जूझ रहे हैं, जिससे उनकी तेज गेंदबाजी कौशल की भूमिका सीमित हो गई है। चोट का मतलब है कि वह विश्व कप में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं, और स्टोक्स का लक्ष्य 25 जनवरी, 2024 से हैदराबाद में शुरू होने वाले इंग्लैंड के पांच मैचों के भारत टेस्ट दौरे के लिए समय पर वापसी करना है। गेंदबाज़ी न करने से यह सामान्य से कहीं अधिक लंबा लगता है। लेकिन जाहिर तौर पर पिछले 18 महीनों में ऐसा ही हुआ है, है ना, जबकि वास्तव में इस विश्व कप में इसके बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और मैं केवल वहां जाने और योगदान देने की कोशिश पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हूं। रनों के साथ टीम, जो स्पष्ट रूप से कुछ ऐसा है जो मैं नहीं कर पाया। स्टोक्स ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, लेकिन मेरे घुटने की समस्या के बाद शायद यह पहली बार है, जहां यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि मैं गेंदबाजी नहीं करने जा रहा हूं। मैं भारत में टेस्ट सीरीज के लिए ठीक हो जाऊंगा।' लेकिन विश्व कप के बाद मेरी सर्जरी होने वाली है।'

द.अफ्रीका बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले महिला टीम के लिए ट्रेनिंग कैंप आयोजित करेगा

तशवाने (दक्षिण अफ्रीका)।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने शुक्रवार को कहा कि वह बांग्लादेश के खिलाफ महिला टीम की तैयारी के लिए 6-10 नवंबर तक तशवाने के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करेगा। यह वाइट बॉल सीरीज 3-23 दिसंबर तक खेली जाएगी। सीएसए ने बताया कि 16 खिलाड़ी, जिनमें से 12 खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया घरेलू श्रृंखला में शामिल थीं, पांच दिवसीय शिविर के लिए एकत्रित होंगी जहां वे अभ्यास करेंगी और अपने कौशल को बढ़ाएंगी। मुख्य कोच हिल्टन मोरेंग ने कहा, इस शिविर का उद्देश्य मुख्य रूप से हमारे दो दौरों पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बाद खिलाड़ियों के साथ फिर से संपर्क स्थापित करना है। अधिकांश खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट का भी हिस्सा रहे हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करना होगा कि हम जो करना चाहते हैं उसे जारी रखें क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ तीन सप्ताह में हमारा एक और बड़ा दौरा है। यह हमारे लिए रीसेट करने और सुनिश्चित करने का एक शानदार अवसर है। जो अच्छा काम किया गया है उसे जारी रख सकते हैं।राष्ट्रीय टीम के सदस्यों के अलावा, महिला राष्ट्रीय अकादमी की खिलाड़ी और अंडर-19 खिलाड़ी होंगी, जिनमें एलिज़-मैरी मार्क्स, सेशनी नायडू और रिफिलवे मोनचो शामिल होंगे। युवा ऑलराउंडर एनेरी डर्कसेन उंगली की चोट से उबरने के बाद पहली बार राष्ट्रीय शिविर टीम में लौटीं।शिविर में सुने लुस शामिल नहीं होंगी, जो वार्षिक अवकाश पर हैं। साथ ही लॉरा वोल्वार्ड्ट, क्लो ट्रायन और मारिजैन कप्प की तिकड़ी भी शामिल नहीं होगी जो ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खेल रही हैं।

प्रोटियाज़ महिला राष्ट्रीय शिविर टीम:

एनेके बॉश, ताज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डर्कसन, मिके डी रिडर, लारा गुडॉल, सिनालो जाफ्ता, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा, रिफिलवे मोनचो, सेशनी नायडू, नोंडुमिसो शांगसे, तुमी सेखुखुने और डेलमी टक्कर।

विश्व कप में भारत का प्रदर्शन और बॉलिंग अटैक शानदार : माइकल आर्थटन

मुंबई। श्रीलंका को 302 रनों से हराकर भारत 2023 विश्व कप के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई है। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन को देखकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आर्थटन का मानना है कि मेजबान टीम टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ टीम है। आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट के नए एपिसोड में माइकल आर्थटन ने कहा, वर्ल्ड कप में मौजूदा टीम इंडिया सबसे अच्छी और मजबूत टीम लग रही है। उनके पास सबसे अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। यही वह चीज है जो मेरे लिए खास है। वे जाहिर तौर पर एक बहुत अच्छी हरफनमौला टीम हैं, लेकिन मुंबई में श्रीलंका के खिलाफ और जिस तरह से उन्होंने लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी की वो शानदार थी। गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में बुमराह, शमी और सिराज ने नई गेंद का ऐसा जलवा बिखेरा कि श्रीलंकाई टीम 19.4 ओवर में सिर्फ 55 रन पर आउट हो गई। बुमराह ने दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर पथुम निसंका को एलबीडब्ल्यू आउट करके युगों-युगों तक याद किए जाने वाले सनसनीखेज तेज गेंदबाजी प्रदर्शन की नींव रखी और पांच ओवरों में अपना गेंदबाजी आंकड़ा 1-8 कर दिया।सिराज ने बल्लेबाजों को स्विंग और सीम से परेशान करके सात ओवरों में विरोधी टीम को तीन झटकेदिए। वहीं शमी ने पांच ओवरों में 18 रन देकर 5 विकेट लेकर सबसे ज्यादा चमक बिखेरी, जिससे वह वनडे विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।मुंबई में जीत प्रतियोगिता में भारत की लगातार सातवीं जीत है और इस साल वनडे में भारत द्वारा श्रीलंका को 100 से कम स्कोर पर आउट करने का यह तीसरा मौका है। माइकल आर्थटन ने कहा, यह एक शानदार आक्रमण है। मुझे लगता है कि भारतीय तेज गेंदबाजी की गुणवत्ता और गहराई वह चीज है जिससे चीजे बदल गई है। अब 14 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर विश्व कप में भारत का अगला मैच रविवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होगा। यह एक ऐसा मुकाबला जिसके लिए माइकल आर्थटन उत्सुक हैं।

वायु प्रदूषण से बचने इनहेलर का उपयोग करते दिखे बेन स्टोक्स

नई दिल्ली । एकदिवसीय विश्वकप में इंग्लैंड के क्रिकेटरों को भारत के कुछ शहरों में वायु प्रदूषण से भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है। यहां तक कि अंग्रेज क्रिकेटरों को वायु प्रदूषण से होने वाली परेशानी से बचने के लिए इनहेलर का भी प्रयोग करना पड़ा है। इनहेलर का इस्तेमाल मुख्य रुप से अस्थमा से पीड़ित लोग ही करते हैं। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले अभ्यस के दौरान इनहेलर का उपयोग करते देखा गया था। इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए अभी अहमदाबाद में है। वायु प्रदूषण से भारतीय खिलाड़ियों को भी परेशानी हुई है। मुम्बई में गत दिवस श्रीलंका के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी ये मामला उठाया था। रोहित ने कहा, 'मेरा मतलब है आदर्श दुनिया में आप इस तरह की स्थिति नहीं चाहते हैं पर मुझे पूरा भरोसा है कि इस विभाग से संबंधित लोग प्रदूषण को कम करने के लिए सभी जरुरी कदम उठा रहे हैं। सभी जानते हैं कि अभी के हालात ठीक नहीं है पर इसे कम करने के प्रयास हो रहे हैं। सभी चाहते हैं कि इस प्रकार के प्रदूषण से मुक्ति मिले जिससे सभी बिना डर के रह सकें।

एकदिवसीय विश्वकप : पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला आज, हारने वाली टीम होगी सेमीफाइनल की रेस से बहार

बेंगलूर ।

एकदिवसीय विश्वकप में शनिवार को पाकिस्तान टीम का मुकाबला यहां के चेन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड से होगा। दोनो ही टीमों को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने ये मैच जीतना है। पाक टीम अगर इस मैच को हारी को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। इस मैच में बारिश की भी संभावना है। अगर ऐसा हुआ तो पाक टीम का सफर विश्वकप में समाप्त हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड भी ये मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना चाहेगी हालांकि उसे अपने खिलाड़ियों के चोटिल होने से नुकसान हो रहा है। उसे अंतिम तीनों मैच में हार मिली है। इससे लगातार 4 जीत से शुरुआत करने वाली न्यूजीलैंड का अभियान पटरी से उतर गया। उसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।इससे उसके 7 मैचों में 8 अंक हैं। वहीं पाकिस्तान के 7 मैचों में 6 अंक हैं

कीवी टीम के तेज गेंदबाज मैट हैनरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। उनकी जगह पर तेज गेंदबाज काइल जेमिसन को टीम में शामिल किया गया है। जेम्स नीशाम भी कलाई की चोट से परेशान हैं। नियमित कप्तान केन विलियमसन और मार्क चैपमैन भी चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो विश्वकप में पाक टीम भारी पड़ी है। दोनो के बीच 9 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें पाक की टीम 7 मैच जीतने में सफल हुई है. जबकि कीवी टीम 2 ही मैच जीत पायी है।न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन फिट हो गए हैं पर इसके बाद भी उसके लिए रनों पर रोक लगाना आसान नहीं रहेगा। टीम के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 388 और 357 रन दिये। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सैंटनर पर टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। पिछले मैच में न्यूजीलैंड की टीम केवल 160 रन ही बना सकी थी. ऐसे में रचिन रविंद्र, डेवॉन कॉनवे, डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स पर रनों की अहम जिम्मेदारी होगी।

दूसरी ओर पाक की राह भी आसान नहीं है। बाबर आजम की फॉर्म भी अच्छी नहीं रही है। 3 अर्धशतक के बावजूद वे अब तक शतक नहीं लगा सके हैं। राहत की बात है कि मोहम्मद रिजवान और ओपनर अब्दुल्लाह शफीक लय में हैं। दोनों की बल्लेबाज शतक भी लगा चुके हैं। इसके अलावा फखर जमां ने चोट के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ 81 रन की पारी खेली। इसने भी टीम का मनोबल बढ़ा है पर मिडिल ऑर्डर में वह कमजोर है। सऊद शकील और इफ्तिखार अहमद भी अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी अच्छी लय में हैं। पाक की गेंदबाजी तेज गेदबाजों शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ पर आधारित रहेगी। टीम के पास अच्छे स्पिनरों की कमी है। मोहम्मद वसीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 3 विकेट लिए पर फिर भी उन्हें बेहतर स्पिनर नहीं कहा जा सकता।

बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अतः ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं।

बकरी पालन

ज्यादा मुनाफे का व्यवसाय

वैज्ञानिक ढंग से बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अतः ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं। इसके अलावा उनका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होना चाहिये और वो 9 माह की उम्र में कम से कम 25 किलोग्राम तथा 12 माह की उम्र में 30 किलोग्राम तक पहुंच जाना चाहिये। प्रयोगों के आधार पर पाया गया कि दो नस्लों के संकर नस्ल के मेमनों का शरीर भार अच्छा होता हैं तथा उसका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होता हैं। अतः देशी नस्ल की अवर्णित बकरियों की अपेक्षा वर्णित नस्ल की शुद्ध नस्ल की बकरियां जैसे मारवाड़ी, कच्छी, जमुनापारी, उस्मानाबादी, संगमनिरी आदि नस्लों की बकरियां या संकर नस्ल की बकरियाँ पालना चाहिए।

कोई भी बकरी चुनाव करने से पहले उसके माता-पिता की वंशावली यानि माता-पिता के बारे में तथा उनके पुर्नउत्पादन/प्रजनन तथा उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी उपलब्ध हैं तो अवश्य देखनी चाहिए। बकरी फार्म पर सभी बकरियों का शरीर भार हर माह नाप-तौलकर उसे अंकित कर रख लेना चाहिए। इससे उनकी बढ़वार, शरीरभार वृद्धि के बारे में सही जानकारी मिल जाती हैं।

एक खास बात यह है कि जिस मादा बकरी से भूतकाल में 3 से 4 मेमने प्राप्त हुए हैं यानि प्रसव उपरांत ज्यादा मेमने पैदा हुए हैं ऐसी बकरी से प्राप्त नर तथा मादा मेमनों का चुनाव करें क्योंकि उनमें उनकी माता में मौजूद ज्यादा मेमने पैदा करने के गुणसूत्र मौजूद होते हैं। ऐसी बकरियां पालने से भविष्य में ज्यादा लाभ अर्जित कर सकते हैं। इन मूलभूत आनुवांशिक बातों के अलावा अनुभव के आधार पर कुछ शारीरिक बाह्यस्वरूपी लक्षण होते हैं उन्हें मद्दे नजर रखते हुए बकरियों का चुनाव करें तो ऐसी बकरियों की बढ़वार, शरीर वृद्धि दर उत्पादन तथा पुर्नउत्पादन क्षमता अच्छी हो सकती हैं तथा उन्हें पालने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता हैं।

नर बकरा हष्ट-पुष्ट, ऊंचा बलवान, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरवाला,

उसकी आंखें सजीली चमकदार होनी चाहिए। चमड़ी नर्म मुलायम, चमकदार होनी चाहिए। सींग पूर्ण रूप से विकसित, जननांग पूर्ण रूप से विकसित, बिना किसी विकृति होने चाहिए। उसकी लैंगिक क्षमता, कामेच्छा बढ़िया होनी चाहिए तथा वह फुर्तीला होना चाहिए। उसे कोई भी लैंगिक रोग जैसे बुसेल्लोसिस, ट्राइकोमोनियासिस आदि नहीं होने चाहिए। उसकी उम्र डेढ़ से दो साल होनी चाहिए।

मादा बकरियाँ भी हष्ट्पुष्ट, निरोगी पूर्ण रूप से विकसित, चमकदार बाल तथा आंखें, सजग कान, तिकोना शरीरधारी, पसलियाँ चौड़ी, जांघे चौड़ी, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरधारी, मेमनों को अच्छी तरह संभालने वाली, बड़े स्तन तथा अयनधारी और बिना कोई विकृति या किसी लैंगिक रोग से मुक्त होनी चाहिए।

संघटित बकरीफार्म जैसे कुछ निजी फार्म, राज्य सरकारों के अधीन पशुसंवर्धन विभागों के बकरी फार्म, कृषि विज्ञान केंद्र कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीन कार्यरत केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम पोस्ट फराह, जिला-मथुरा उत्तरप्रदेश जैसे कई स्थान हैं जहां से अच्छे नस्ल की बढ़िया बकरियां प्राप्त की जा सकती हैं।

ऐसी अच्छी आदर्श बकरियां वैज्ञानिक ढंग से अच्छा खानपान तथा रखरखाव करने पर ज्यादा मेमने पैदा करती हैं। उनका वृद्धि दर शरीर भार अच्छा तथा ज्यादा होता हैं। उनसे ज्यादा मांस तथा दूध प्राप्त होता है। वे ज्यादा जल्दी बिक्री योग्य हो जाते हैं और इस प्रकार ऐसी बकरियां तथा उनके उत्पादन (दूध, मां, बाल) बेचकर ज्यादा लाभ कमाया जा सकता हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

अरहर की बहार

भूमि व खेत की तैयारी : अरहर को विविध प्रकार की भूमि में लगाया जा सकता है। चुनाव की दृष्टि से हल्की रेतीली दोमट या मध्यम भूमि जिसमें समुचित जल निकास हो इस फसल के लिये उपयुक्त होती है।

बुवाई

अरहर की बोनी वर्षा प्रारंभ होने के साथ ही करें सामान्य रूप से जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह के मध्य अवश्य करें जल्दी पकने वाली प्रजातियों के लिए 25-30 कि.ग्रा. एवं मध्यम समय में पकने वाली प्रजातियों के लिए 17-20 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर रखें! शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की बोनी 30×15 से.मी. तथा मध्यम देरी से पकने वाली प्रजातियों के लिए 60, 29 से.मी. पर करें । बोनी पूर्व थायरम + कार्बेन्डाजिम (2:1) के 3 ग्राम मिश्रण प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार अवश्य करें तत्पश्चात अरहर के राइजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी. कल्चर से बीज उपचारित कर बोनी करें।

शीघ्र पकने वाली-प्रजाति

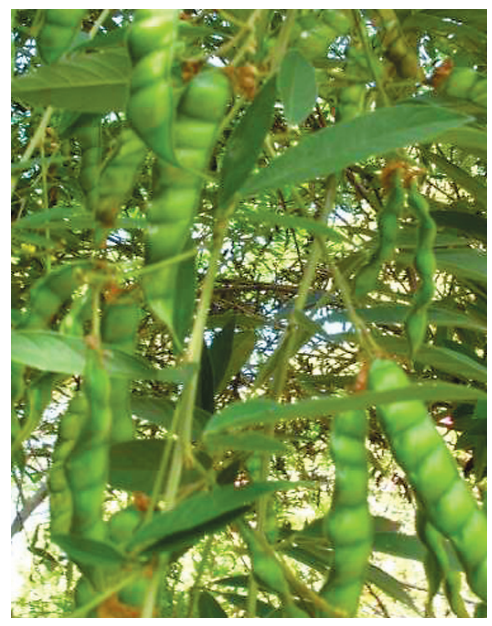

(आई.सी.पी.एल. 79) (125-135 दिन)
उपास (130-140 दिन)
टी.जे.टी. 401 (130-140 दिन)
मध्यम समय में पकने वाली प्रजाति
(आई.सी.पी.एल. 87119) (160-180 दिन)
जे.के.एम. 7 (170-180 दिन)

खाद एवं उर्वरक

20 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट/हे. का प्रयोग करें। 8-10 टन गोबर की अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद दो वर्ष के अंतराल दें।

जल प्रबंधन

वर्षा ऋतु में जल भराव से बचने हेतु उचित जल निकास के लिए 15-20 मी. दूरी पर गहरी नालियां बनायें। आमतौर पर अरहर की असिंचित खेती की जाती है। देरी से पकने वाली प्रजातियों में पानी उपलब्ध होने पर फूल, फली की अवस्था में एक सिंचाई करने पर उत्पादन अच्छा मिलता है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार नियंत्रण हेतु बोनी के तुरन्त बाद पेन्डीमिथालीन 1.0-1.25 कि.ग्रा./हे. की दर से छिड़काव करें तत्पश्चात एक निंदाई लगभग 25-30 दिनों बाद करें।

अन्तरवर्तीय फसल

अन्तरवर्तीय फसल पद्धति से मुख्य फसल की संपूर्ण पैदावार एवं अंतरवर्तीय फसल से अतिरिक्त पैदावार प्राप्त होती है। मुख्य फसल की कीट व्याधि के प्रकोप होने पर या मौसम की प्रतिकूलता होने पर अर्न्तवर्तीय फसल से सुनिश्चित आय प्राप्त होती है। अत: अंतरवर्तीय फसल अरहर : ज्वार 4:2 या 2:1 अरहर : सोयाबीन 4:2 कतारों में लगायें।

तिलहन की रानी ‘अलसी’

जलवायु : अलसी की फसल को ठंडे व शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है इसके उचित अंकुरण के लिए 25-30 डिग्री सेल्सियस सेंटीग्रेट तथा बीज बनते समय 15-20 सेल्सियस सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिये।

भूमि की तैयारी

अलसी की फसल के लिए काली, भारी एवं दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त होती है धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये। धान के खेतों में समय-समय पर खरपतवार निकालकर खेत को नींदा रहित करते हुये साफ रखना चाहिये।

फसल प्रणाली

अलसी को मुख्य फसल के रूप में लगाने के बजाय मिलवा या अंतरवर्तीय फसल के रूप में लगाने से अधिक आय संभव हैं। अंतरवर्तीय फसल पद्धति के अंतर्गत अलसी के साथ 3:1 के अनुपात में चना, सरसों, मसूर को भी लगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत किस्में

जवाहर 16, जेएलएस 9,जवाहर 23, पूसा 2

थारयम या कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें व बीजोपचार के बाद राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से 5-5 ग्राम/कि. बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें।

बीज की गहराई

अलसी के बीज को नमी के आधार पर भूमि में 3 सेंमी की गहराई पर बुवाई करें. यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो उथली

बुवाई लाभदायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद उपलब्ध होने पर अंतिम व बखरनी के समय 4-5 टन प्रति हेक्टेयर खेत में मिला दें। असिंचित अवस्था में 65:125 किलोग्राम, यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व पोटाश प्रति हेक्टेयर सम्पूर्ण खाद बुवाई के समय में ही खेत में डालें। सिंचित अवस्था में 174:125:30:0 किलो ग्राम यूरिया, सिंगल सुपर प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की 2/3 मात्रा व स्फुर, पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय दें तथा नत्रजन की शेष 1/3 मात्रा को पहली सिंचाई के समय दें एवं उतेरा पद्धति में 20 किलो नत्रजन अलसी के फसल में दें।

खरपतवार नियंत्रण

अलसी की फसल को बुवाई से 30-35 दिन तक खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिये। फसलों को नींदा रहित रखने के लिए बुवाई के 15-20 दिन बाद पहली निंदाई-गुड़ाई करनी चाहिये या रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के अंतर्गत पेंडीमिथालीन खरपतवार -नाशक की 3.33 लीटर मात्रा को 600-700 ली. पानी में घोल बनाकर बीज के अंकुरण पूर्व उपयोग करें।

रेज्ड बेड प्लान्टर

से सोयाबीन बोने के फायदेरेज्ड बेड के प्रकार

बेड मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं, चौड़े रेज्ड बेड एवं संकरे रेज्ड बेड-

चौड़े रेज्ड बेड का निर्माण सामान्यतः काली मिट्टी में किया जाता है। चौड़े रेज्ड बेड की निचली सतह 1.5 से 2 मी. तथा ऊपरी सतह 1 से 1.5 मी. होती है। इनकी उंचाई 15 से 20 से.मी. होती है। चौड़े रेज्ड बेड पर एक साथ 4 से 5 कतारों की बुवाई की जा सकती है । चौड़े रेज्ड बेड स्थाई प्रकार के भी बनाये जाते हैं। स्थाई चौड़े रेज्ड बेड में मेड़ एवं नाली फसल की कटाई तक बनी रहती है। इसका उपयोग कई वर्षो तक जीरो टिल पद्धति के साथ किया जा सकता है।

संकरे रेज्ड बेड का निर्माण सामान्यतः रेतीली या लाल मिट्टी में किया जाता है। संकरे रेज्ड बेड की निचली सतह लगभग 0.9 मी. तथा ऊपरी सतह लगभा 0.1 मी. होती है। इनकी ऊंचाई 15 से 20 से.मी. होती है । रेज्ड बेड निर्माण की मशीनें- रेज्ड बेड के निर्माण एवं बीज बोने के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की मशीनें उपलब्ध हैं। ट्रैक्टर चालित रेज्ड बेड प्लान्टर, रोटावेटर कम रेज्ड बेड प्लान्टर एवं रेज्ड बेड सीड ड्रिल के द्वारा रेज्ड बेड बनाने के साथ-साथ आसानी से बुवाई भी हो जाती है। कर्मशालाओं में परम्परागत रूप से उपयोग की जाने वाली सीड ड्रिल में रिज़ फरो अटैचमेंट आसानी से लगवाया जा सकता है। सोयाबीन एवं अन्य दलहनी फसलों के लिए स्थानीय बाजारों में विभिन्न प्रकार के रेज्ड बेड प्लान्टर आसानी से उपलब्ध है। रेज्ड बेड प्लान्टर में मुख्यतः बीज बॉक्स, खाद बॉक्स, फरो ओपनर, बेड शेपर और शक्ति प्रदाता पहिया लगा होता है।

विवरण

चौड़े रेज्ड बेड और स्थाई चौड़े रेज्ड बेड बनाने के लिए उपयोग में लायी जाने वाली मशीन में दो फरो ओपनर का प्रयोग होता है। संकरे रेज्ड बेड बनाने वाली मशीन में तीन फरो ओपनर लगे होते हैं। अच्छा बेड बनाने के लिए मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार करें। मिट्टी में नमी की मात्रा 11 से 13 प्रतिशत के बीच में होनी चाहिए। रेज्ड बेड प्लान्टर की कार्य क्षमता 0.37 हेक्टेयर/घंटा एवं कार्य दक्षता 73 प्रतिशत होती है। इसके द्वारा प्रति हेक्टेयर बुवाई की लागत लगभग रुपये 1900/- एवं प्रति घंटा लागत लगभग रुपये 710/- आती है।

विदेश मंत्री का नापतूला बयान, आतंकवाद का एक बड़ा कृत्य, लेकिन फिलिस्तीन मुद्दे का समाधान जरुरी

रोम ।भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 7 अक्टूबर को जो हुआ वह आतंकवाद का एक बड़ा कृत्य है और हम सभी को इसके खिलाफ खड़े होने की जरूरत है, लेकिन साथ ही उन्होंने फिलिस्तीन मुद्दे के समाधान की जरूरत पर जोर दिया। जयशंकर ने कहा कि 7 अक्टूबर को जो हुआ वह आतंकवाद का एक बड़ा कृत्य है और उसके बाद की घटनाओं ने पूरे क्षेत्र को एक अलग दिशा में ले जाया है। इसके भीतर हमें विभिन्न मुद्दों के बीच संतुलन बनाना होगा... हम सभी को आतंकवाद अस्वीकार्य लगता है और हमें आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा लेकिन फिलिस्तीन का भी एक मुद्दा है। नई दिल्ली की स्थिति के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि आपको कोई समाधान ढूंढना है, तब आपको इस बातचीत और बातचीत के माध्यम से ढूंढना होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारा विचार है कि इस दो-राज्य समाधान होना चाहिए। आप संघर्ष और आतंकवाद के माध्यम से समाधान नहीं ढूंढ सकते हैं इसलिए हम इसका भी समर्थन करेंगे, वर्तमान स्थिति को देखते हुए। हमारा मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का हर किसी को सम्मान करना चाहिए। विशेष रूप से भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य राज्य की वकालत की है जो इजराइल के साथ शांति से रहे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 7 अक्टूबर के हमलों के बाद कहा कि भारत ने हमेशा इजराइल के साथ शांति से सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर रहने वाले फिलिस्तीन के एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य राज्य की स्थापना के लिए सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की वकालत की है। वह स्थिति वैसी ही बनी हुई है।

फ्रांस में तूफान सियारन के कारण दो लोगों की मौत, 12 लाख घरों में नहीं बिजली

पेरिस ।फ्रांस में तूफान सियारन के कारण करीब दो लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए तथा लाखों घर अंधेरे में डूब गए। फ्रांस के गृह मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने इसकी जानकारी दी। श्री डर्मेनिन ने कहा कि फ्रांस में आए विनाशकारी तूफान के कारण पहली मौत एक ट्रक ड्राइवर की हुई थी। दूसरा पीड़ित एक व्यक्ति था जो अपनी बालकनी से गिर गया था। अटलांटिक तटीय इलाकों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए और 12 लाख से अधिक लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ा। फ्रांसीसी दूरसंचार मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा कि तूफान ने फ्रांस में मोबाइल संचार नेटवर्क को भी बुरी तरह से बाधित कर दिया, जिससे सैकड़ों सिग्नल टावर और करीब दस लाख मोबाइल ग्राहक प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि तेज आँधी ने कई बुनियादी ढाँचों को नुकसान पहुँचा है, विशेषकर ब्रिटनी और नॉर्मंडी के क्षेत्रों में सहित हजारों घरों में बिजली नहीं हैं। फ्रांसीसी बिजली आपूर्तिकर्ता एनेडिस ने पुष्टि की कि शाम छह बजे तक 684,000 से अधिक घर अभी भी बिजली आपूर्ति फिर से शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। सियारन तूफान के कारण रेलवे सेवा भी बाधित हुई और परिवहन मंत्री क्लेमेंट ब्यून ने नागरिकों से बहुत जरुरी होने पर ही ट्रेन यात्रा करने का आह्वान किया। फ्रांसीसी राष्ट्रीय रेलवे कंपनी एसएनसीएफ ने कहा कि पेड़ों और शाखाओं के गिरने से रेल पटरियां अवरुद्ध होने की कई घटनाएं सामने आई हैं।

एक साल में अवैध रूप से देश में घुसने की कोशिश के आरोप में करीब 97,000 भारतीय गिरफ्तार : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच गैरकानूनी रूप से सीमा पार कर घुसने के आरोप में रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (यूसीबीपी) विभाग के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। गैरकानूनी रूप से अमेरिकी सीमा पार करते हुए पकड़े गए भारतीयों की संख्या में पिछले वर्षों के मुकाबले पांच गुना वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 में 19,883 भारतीय पकड़े गए। 2020-21 में 30,662 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था जबकि 2021-22 में यह संख्या 63,927 थी। अक्टूबर 2022 से इस साल सितंबर तक गिरफ्तार 96,917 भारतीयों में से 30,010 को कनाडाई सीमा पर और 41,770 को मेक्सिको के साथ लगती अग्रिम सीमा पर पकड़ा गया। वित्त वर्ष 2023 में 84,000 भारतीय वयस्क गैरकानूनी रूप से अमेरिका में आए। गिरफ्तार लोगों में 730 नाबालिग भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार का वित्त वर्ष एक अक्टूबर से 30 सितंबर तक होता है। इस बीच, सीनेटर जेम्स लैंकफोर्ड ने बृहस्पतिवार को सीनेट में कहा कि ये लोग मेक्सिको तक पहुंचने के लिए फ्रांस जैसे देशों से करीब चार बार उड़ानों में सवार होते हैं और फिर गिरोहों की मदद से सीमा तक पहुंचने के लिए, बस में सवार होते हैं। बस का इंतजाम गिरोह ही करते हैं। लैंकफोर्ड ने कहा, 'इस साल अभी तक हमें भारत से आए 45,000 लोग मिले हैं जो हमारी दक्षिणी सीमा पार कर घुसे हैं। उनका कहना है कि उन्हें अपने देश में डर महसूस होता है।'

एलन मस्क के बेटे के नाम में भी है चंद्रशेखर : केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर

लंदन। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सुरक्षा सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए ब्रिटेन पहुंचे केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर जब टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क से मिले, तो उन्हें पता चला कि मस्क के बेटे के नाम में भी चंद्रशेखर है। चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि मस्क ने उनसे बातचीत में बताया कि उन्होंने अपने और शिवोन जिलिस के बेटे का मध्य नाम (मिडल नेम) नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर के नाम पर 'चंद्रशेखर' रखा है। केंद्रीय मंत्री ने मस्क के साथ ली गई तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'देखिए, ब्रिटेन के बैलेचले पार्क में एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन में मेरी मुलाकात किससे हुई। एलन मस्क ने बताया कि शिवोन जिलिस और उनके बेटे का मध्य नाम 'चंद्रशेखर' है, जो दोनों ने 1983 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर एस. चंद्रशेखर के नाम पर रखा है।'

पाकिस्तान में आठ फरवरी को होगा आम चुनाव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव की तारीख को लेकर जारी कयासबाजी पर राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने विराम लगाते हुए आठ फरवरी को मतदान कराने की तारीख को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने गुरुवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से मुलाकात की। इसके बाद तिथि की घोषणा की गई। इसके साथ ही देश में आम चुनाव को लेकर अनिश्चितता खत्म हो गई है। इससे पहले निर्वाचन आयोग के वकील ने शीर्ष कोर्ट से कहा था कि 11 फरवरी को चुनाव कराए जाएंगे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा धमाका, 6 लोगों की मौत, पुलिस को बनाया गया निशाना

इस्लामाबाद। कार्यवाहक खैबर पख्तूनख्वा सूचना मंत्री फिरदौस जमाल शाह ने शुक्रवार को कहा कि डेरा इस्माइल खान में एक पुलिस वैन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में कम से कम छह लोग मारे गए और 20 घायल हो गए। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के बाद गोलियों की आवाज भी सुनी गई। बचाव और पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में पुलिस को निशाना बनाकर किए गए एक बम विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी मोहम्मद अदनान ने कहा कि डेरा इस्माइल खान शहर में एक पुलिस गश्ती दल के करीब बम विस्फोट किया गया। बचाव अधिकारी ऐज़ाज़ महमूद ने कहा कि पांच लोग मारे गए और 21 अन्य घायल हो गए। विस्फोट शहर के टैंक अड्डा में एक पुलिस वैन के पास हुआ, जिसमें 22 लोग घायल हो गए, जिन्हें पास के अस्पताल में ले जाया जा रहा है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। मंत्री ने यह भी साझा किया कि 22 लोगों में दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं और इस खबर से दुखी हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि विस्फोट और आतंकवाद में शामिल तत्वों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।पिछले महीने, केपी और बलूचिस्तान में दो विस्फोट हुए, जिसमें ईद मिलादुन नबी - पैगंबर मुहम्मद (पीबीयूएच) की जयंती के दिन कई लोग मारे गए।

फ्रांस में आये तूफान के कारण एक पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त हुई एक कार।

गाजा में आगे बढ़ रही है इजरायली सेना: आईडीएफ प्रवक्ता

- इजरायली सेना ने पिछले शुक्रवार को विस्तारित जमीनी हमला शुरू किया था

येरुसलम (एजेंसी)। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि इजरायली सेना योजना के अनुसार गाजा में आगे बढ़ रही है। डेनियल हगारी ने कहा कि आईडीएफ गाजा शहर में आगे बढ़ रहा है, हमास के साथ आमने-सामने की लड़ाई कर रही है, लड़ाई को और गहरा कर रही है। लड़ाई हमारी योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। इजरायली सेना ने पिछले शुक्रवार को विस्तारित जमीनी हमला शुरू किया और इसे हमास के खिलाफ युद्ध का दूसरा चरण कहा और तब से गाजा में आईडीएफ ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। 162वें बख्तरबंद डिवीजन के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल इत्ज़कि कोहेन ने कहा कि हम गाजा शहर के दरवाजे पर हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि लगभग 400 अमेरिकी नागरिक तुरंत क्षेत्र छोड़ने की मांग कर रहे हैं, यदि आप उनके परिवार के सदस्यों को भी शामिल कर लें तो कुल संख्या 1,000 से अधिक हो जाएगी। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, बुल्गारिया, फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका के अधिकारियों ने अपने नागरिकों की पहली सूची की घोषणा की, जो राफा सीमा के माध्यम से गाजा छोड़कर मिस्र चले गए। पत्रकारों की सुरक्षा करने वाली समिति ने कहा कि गुरुवार तक इजरायली बमबारी में कम से कम 33 पत्रकार मारे गए हैं। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र ने बताया था कि गाजा और राफा के बीच सीमाएं खुलने के बाद से अब तक 227 सहायता ट्रकों को गाजा में जाने की अनुमति दी गई है, जिसमें पानी, भोजन और दवा ले जाने वाले 10 ट्रक शामिल थे।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि विस्तारित इजरायली जमीनी अभियानों ने गाजा और उत्तरी गाजा को शेष पट्टी से काटकर पहले से ही जटिल स्थिति को और जटिल बना दिया है, जिससे उत्तर में लगभग 300,000 आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों तक मानवीय सहायता नहीं पहुंच पा रही है। इस बीच गाजा में कनेक्टिविटी धीरे-धीरे बहाल हो रही है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि गाजा में इंटरनेट और संचार सेवाएं बार-बार बाधित की गई हैं और मानवीय सहायता एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि ब्लैकआउट से उनका काम बुरी तरह बाधित होगा। हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 8,805 तक पहुंच गया है, जबकि वेस्ट बैंक के अधिकारियों ने इजरायली बलों द्वारा वेस्ट बैंक में 130 फिलिस्तीनियों की हत्या की पुष्टि की है। इजरायली अधिकारियों ने कहा कि 7 अक्टूबर के हमास हमले के पहले घंटों में 1,400 इज़रायली मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। संयुक्त राष्ट्र मानवीय समन्वय मामलों के कार्यालय के अनुसार गाजा में इजरायली सैनिकों द्वारा कम से कम 3,648 बच्चे और 2,187 महिलाएं मारे गए हैं, जबकि 22,240 से अधिक फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।

हमास के बंधकों की रिहाई के लिए थाईलैंड भी हुआ एक्टिव, ईरान व अन्य सरकारों से कर रहा बातचीत

(एजेंसी)। विदेश मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि थाईलैंड ईरान और अन्य क्षेत्रीय सरकारों के संपर्क में है, जो उसके पास मौजूद लगभग दो दर्जन थाई बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए फिलिस्तीनी समूह हमास से संपर्क कर सकते हैं। थाईलैंड के शीर्ष राजनयिक पर्णप्री बहिधा-नुकारा, जो इस सप्ताह की शुरुआत में मध्य पूर्व में थे, ने कहा कि ईरान हमास के करीब है और उसने बातचीत में मदद करने का वादा किया है। देश के 75 साल के इतिहास के सबसे घातक दिन में 7 अक्टूबर को हमास ने इज़राइल पर हमला किया तो बंधक बनाए गए 240 से अधिक लोगों में कम से कम 23 थाई नागरिक शामिल थे। इज़राइल का कहना है कि हिंसा में मारे गए 1,400 से अधिक लोगों में से कम से कम 32 थाई थे। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि कतर, ईरान और मिस्र बंधकों को तुरंत मुक्त करने के थाईलैंड के अनुरोध को हमास को भेजने पर सहमत हो गए हैं। प्राणप्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं चाहता था कि वे हमास को यह बात बताएं, क्योंकि मुझे चिंता है कि हमास को नहीं पता कि वे सिर्फ कृषि श्रमिक हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, लगभग 30,000 थाई मजदूर इज़राइल में काम करते हैं, मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र में, और उनमें से 7,200 को वापस भेज दिया गया है। ईरान का कहना है कि वह हमास का समर्थन करता है लेकिन पिछले महीने इज़राइल पर आतंकवादियों के हमले में उसने कोई भूमिका नहीं निभाई।

नवाज शरीफ को हराने पाकिस्तान में दो दुश्मन आ सकते हैं साथ

पीपीपी और पीटीआई में हो सकता है गठबंधन

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में अगले कुछ दिनों में दो दुश्मन एक साथ हाथ मिलाते हुए दिख सकते हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के साथ गठबंधन कर सकती है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल-एन) को रोकने के लिए पीपीपी, इमरान के साथ जाने के लिए भी तैयार है। नवाज पिछले दिनों लंदन से अपने मुल्क वापस लौटे हैं और आने वाले चुनावों में हाथ आजमा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीपीपी के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा फारूख के हवाले से लिखा है कि पार्टी दूसरे दलों के साथ चुनावी गठबंधन पर फैसला लेकर पीटीआई भी शामिल है। दिलचस?प बात है कि पीपीपी और पीएमएल-एन ने अप्रैल 2022 में इमरान की सरकार गिरने के बाद गठबंधन की सरकार बनाई थी। राणा फारूख के बयान को पीएमएल-एन के नेता की ओर से कही गई बात के तौर पर देखा जा रहा है। नवाज की पार्टी के नेता ने कहा था कि वे मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान और ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ मिलकर सिंध में चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं। पीपीपी के नेता ने कहा कि पीपीपी बाकी दलों के साथ चुनावी गठबंधन के रास्ते में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की तरफ से चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

फारूख ने कहा कि राजनीति में चुनावी गठबंधन बनते और बिगड़ते हैं। उनका कहना था कि यह राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है और किसी व्यक्तिगत दुश्मनी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी पार्टी को जनवरी 2024 के चुनावी मुकाबले से बाहर रखा गया तब दुनिया नतीजों को स्वीकार नहीं करेगी। नौ मई को सैन्य संस्थानों पर हुए हमलों में पीटीआई की भूमिका के संदर्भ में भी उन्होंने बयान दिया। उनका कहना था कि जो लोग गुंडागर्दी में शामिल थे, उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। लेकिन जो लोग घटनाओं के दौरान सिर्फ दर्शक बने रहे, उन्हें माफ करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्दोष पीटीआई कार्यकर्ताओं को चुनावा में भाग लेने से न रोकने की अपील की है।

पीपीपी नेता पीटीआई को चुनावी दौड़ से बाहर रखने के प्रयास के लिए पीएमएल-एन को दोषी ठहराने लगे हैं। पीपीपी ने याद दिलाया कि पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से कोई कर्ज नहीं मांगा था। उनका कहना था कि सन् 1977 में अर्थव्यवस्था मजबूत थी।

कंगाल पाकिस्तान में सरकारी कर्मचारियों की मौज, वेतन और भत्तों में 45 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान को इन दिनों कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसकी अर्थव्यवस्था मंदी में है, लगभग 17 लाख अफगान शरणार्थियों को भगाने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हालाँकि, इस निराशा के बीच, कुछ अच्छी खबर है, हालाँकि यह केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए है। देश में अनवर-उल-हक काकर के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार ने 1 अक्टूबर से प्रबंधन पदों पर शीर्ष नौकरशाहों के वेतन और भत्तों में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। लेकिन क्या पाकिस्तान वास्तव में अपने सरकारी कर्मचारियों को वेतन वृद्धि दे सकता है? नकदी संकट से जूझ रहे इस देश में यह कैसे होगा, जो 3 अरब डॉलर के ऋण की 710 मिलियन डॉलर की दूसरी किश्त जारी करने के लिए शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ बातचीत शुरू करेगा?

पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि कार्यवाहक सरकार ने एमपी-एक, एमपी-दो और एमपी-तीन पदों पर सरकारी अधिकारियों के लिए 45 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की है। संशोधित वेतन संरचना के तहत, एमपी1 पद पर कर्मचारियों को न्यूनतम और अधिकतम पारिश्रमिक 8,04,180 रुपये (2.37 लाख रुपये) और 10,13,920 रुपये (3 लाख रुपये) प्रति माह मिलेगा। यह पिछले 6,99,350 रुपये (आईएनआर2.06 लाख) प्रति माह से बढ़ गया है। इसी तरह, एमपी-2 स्केल का न्यूनतम और अधिकतम मासिक पैकेज 2,55,750 रुपये (आईएनआर 75,450) और 4,13,600 रुपये (आईएनआर 1.21 लाख) प्रति माह था। यह अब 3,70,850 रुपये (आईएनआर 1.09 लाख) से लेकर 5,99,740 रुपये (आईएनआर1.76 लाख) तक होगी। एमपी-3 ग्रेड के अधिकारियों को प्रति माह 1,65,855 रुपये (आईएनआर 49,000) से 2,33,750 रुपये (69,000 रुपये) मिलते थे। रिपोर्ट के अनुसार, राशि को अब संशोधित कर 2,40,460 रुपये (आईएनआर 71,000) और 3,38,960 रुपये (आईएनआर 99,975) कर दिया गया है।

वेतन वृद्धि पाकिस्तान के लिए बहुत दिलचस्प समय पर की गई है। देश की अर्थव्यवस्था टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई देश की मुद्रास्फीति अक्टूबर 2023 में साल-दर-साल 26.89 प्रतिशत बढ़ गई। इससे देश में दैनिक खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हुई है। मसलन, चिकन की कीमत 502 रुपये प्रति किलो हो गई है. वहीं, आटे की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। 20 किलोग्राम आटे का बैग अब खुले बाजार में 2,850-3,050 रुपये के बीच बेचा जा रहा है। अगस्त में यह भी खबर आई थी कि पाकिस्तान के लोगों को एक किलो चीनी के लिए 155 रुपये की भारी कीमत चुकानी पड़ी, यह अप्रैल 2022 में 86 रुपये की तुलना में है। इसी तरह, अगस्त में घी 600 रुपये प्रति किलो बेचा गया, जो पिछले साल अप्रैल में 470 रुपये था। वित्तीय संकट के अलावा, पाकिस्तान अपनी धरती पर आतंकवादी हमलों में वृद्धि से भी जूझ रहा है, जिससे देश में अशांति और अराजकता बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में अगस्त महीने में ही आतंकवादी हमलों में 83 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि देखी गई है। देश में अगस्त में 99 आतंकवादी हमले दर्ज किए गए। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में इस साल के पहले छह महीनों में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है।

हमास-इजराइल जंग में युद्धविराम लगाने तेलअवीव पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री

-नेतन्याहू ने युद्धविराम से इंकार किया

तेलअवीव । इजरायली सेना ने हमास आतंकवादियों पर हमले में गाजा पट्टी के मुख्य शहर गाजा शहर की घेराबंदी की है। हालाँकि, उनके अभियान का फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह ने भूमिगत सुरंगों से हिट-एंड-रन हमलों के साथ विरोध किया था। यह तब हो रहा हैं जब अरब नेताओं ने गाजा की घेराबंदी को कम करने और नागरिकों की सहायता के लिए कम से कम कुछ समय के लिए अपने हमलों को रोकने के लिए इजराइल पर दबाव बढ़ाया। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन शुक्रवार को दूसरी बार इजरायल पहुंचे। लड़ाई में मानवीय विराम के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन के दबाव के बाद, वह जॉर्डन भी जाएंगे। इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जिन्होंने पहले युद्धविराम की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि हम आगे बढ़ रहे हैं, हमें कोई नहीं रोकेगा। उन्होंने गाजा पट्टी में हमास के शासन को नष्ट करने की भी कसम खाई। इज़रायल और हमास आतंकवादियों के बीच लगभग चार सप्ताह से चल रहे युद्ध में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या 9,000 को पार कर गई है। इज़रायली पक्ष में 1,400 से अधिक लोग, मुख्य रूप से नागरिक, मारे गए हैं। सेना ने कहा कि इजरायली सेना ने गुरुवार को हमास आतंकवादियों पर हमले में गाजा शहर को घेर लिया, लेकिन फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह ने भूमिगत सुरंगों से हिट-एंड-रन हमलों के साथ उनके अभियान का विरोध किया।

भारतीय मूल के इजरायली सैनिक ने आखिरी सांस तक दी थी टक्कर

गाजा (एजेंसी)। कुछ लोग डिमोना शहर को इजरायल का 'लिटिल इंडिया' भी कहते हैं, क्योंकि इस टाउनशिप में भारत से आए यहूदियों की बड़ी संख्या है। डिमोना इजरायल के दक्षिण में एक शहर है, जो इजरायल के परमाणु रिएक्टर के रूप में पहचाना जाता है। यह रेगिस्तानी शहर बाहरी दुनिया में इजरायल के 'गुप्त परमाणु हथियार' केंद्र के रूप में सबसे अधिक जाना जाता है।डिमोना के मेयर बेनी बिट्टन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि हम बड़े दुख के साथ गाजा में लड़ाई में डिमोना के बेटे हेलेल सोलोमन की मौत की घोषणा करते हैं। पूरा डिमोना शहर उनके निधन पर शोक मना रहा है। हम उनके माता-पिता और बहनों के दुःख में भागीदार हैं। हेलेल ने एक सार्थक सेवा करने की इच्छा जताई और गिवाती ब्रिगेड में भर्ती हो गए। हेलेल एक समर्पित बेटा था और उसकी नजर में हमेशा अपने माता-पिता के लिए सम्मान था। अपार अच्छे गुणों से युक्त वह अंतहीन दान, विनम्रता और नम्रता में विश्वास करते थे।

हमास के साथ जंग के दौरान अब तक मारे गए इजरायली सैनिकों में एक 20 साल का भारतीय मूल का सैनिक भी शामिल है।रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी इजरायली शहर डिमोना के स्टाफ-सार्जेंट हेलेल सोलोमन की मौत उस वक्त हो गई, जब उनकी बख्तरबंद गाड़ी 1 नवंबर को हमास द्वारा दागी गई एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल की चपेट में आ गई। उस हमले में गिवाती इन्फैंट्री ब्रिगेड की तजाबार बटालियन के कम से कम 11 सैनिक शहीद हो गए थे। डिमोना शहर के मेयर बेनी बिट्टन ने एक फेसबुक पोस्ट में सोलोमन के परिवार के लिए अपनी सहानुभूति जाहिर की।

दरअसल यहां से करीब 13 किमी दूर स्थित नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र है। कहा जाता है कि इसका उद्देश्य परमाणु हथियारों का निर्माण है, हालांकि इजरायल इस दावे की पुष्टि या खंडन नहीं करता है।गाजा में लड़ाई में कम से कम 11 इजरायली सैनिक मारे गए हैं। जिसे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 'दर्दनाक नुकसान' के साथ 'कठिन युद्ध' बताया, लेकिन जीत तक जंग जारी रखने की कसम खाई है। नेतन्याहू ने कहा कि 'हम एक कठिन युद्ध में हैं। यह एक लंबा युद्ध होगा। हमारे पास कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं लेकिन दर्दनाक नुकसान भी हैं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि 'मैं इजरायल के नागरिकों से वादा करता हूं- हम काम पूरा करेंगे- हम जीत मिलने तक जंग को जारी रखेंगे।'

रेव पार्टी में सर्प विष व युवतियों के दुरुपयोग पर एल्विश के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई । रेव पार्टी कराने के आरोप में नोएडा में पुलिस ने बिग बॉस विजेता एल्विश यादव के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने एल्विश यादव समेत 6 के खिलाफ नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताया गया है कि रेव पार्टी में सांपों के प्रतिबंधित जहर का दुरुपयोग सहित विदेशी युवतियों को बुलाया जाता था। पुलिस ने स्टिंग ऑपरेशन में फंसे आरोपियों के कब्जे से 20 मिलीलीटर जहर और 9 जिंदा सांप बरामद किए। इनमें 5 कोबरा, एक अजगर, दो दुमुही और एक रेट स्नेक (घोड़ा पछाड़) शामिल हैं। इन सापों और जहर का इस्तेमाल पार्टी में नशे के लिए किया जाता था। एल्विश यादव समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत केस दर्ज किया गया है। भाजपा सांसद मेनका गांधी की ओर से संचालित संस्था पीएफए के एक अधिकारी को नोएडा और एनसीआर के फॉर्म हाउसेज में सांपों के जहर से रेव पार्टी की सूचना मिली थी। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने एल्विश यादव का नाम लेते हुए कहा कि यूट्यूबर इन फॉर्म हाउस में वीडियो शूट सहित रेव पार्टी कराते है, जिसमें विदेशी लड़कियों को भी बुलाया जाता है। उनका आरोप है कि एक मुखबिर ने एल्विश यादव से संपर्क किया और नोएडा में रेव पार्टी करने और सांपों के जहर का प्रबंध करने को कहा। कथित तौर पर एल्विश ने अपने एजेंट राहुल का नंबर दिया और उनका नाम लेकर बात करने को कहा। इसके बाद राहुल से बात की गई तो वह रेव पार्टी के लिए तैयार हो गया। राहुल ने अपनी टीम के साथ गुरुवार को सेक्टर 51 के सेवरोन होटल में पहुंचने की बात कही। इधर डीएफओ नोएडा को सूचना दी गई थी। जैसे ही राहुल और उसकी टीम के लोग मौके पर पहुंचे तो ट्रैप करने के लिए खड़े लोगों ने उनसे बात की और सांप दिखाने को कहा। सांप देखने के बाद नोएडा सेक्टर 49 पुलिस और क्षेत्रीय वन अधिकारी दादरी को सूचना दी गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को दबोच लिया। आरोपियों की पहचान राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण, रविनाथ के रूप में हुई है।

तनाव के कारण सीआरपीएफ के जवान कर रहे हैं आत्महत्या

नई दिल्ली । 2018 से लेकर 2022 के बीच सीआरपीएफ के 194 जवानों ने आत्महत्या कर ली है।4 सितंबर 2023 को भोपाल में सीआरपीएफ की डी/107 बटालियन के सिपाही मोगली सुधाकर ने भी आत्महत्या कर ली है। वह भोपाल में ट्रेनिंग कर रहा था। अगस्त और सितंबर के 23 दिनों में सीआरपीएफ के 10 जवानों ने मौत को गले लगाया है। यह सभी अलग-अलग राज्यों के जवान थे। सीआरपीएफ में इन दिनों काम का बोझ बहुत ज्यादा बढ़ गया है। जवानों को छुट्टी नहीं मिल पाती है। छोटी सी गलती पर बड़ी सजा दिया जाना बड़ा आम हो गया है। छुट्टियां नहीं मिलने से पारिवारिक कलह का सामना भी सीआरपीएफ के जवानों को करना पड़ रहा है। कई मामले में परिवार कर्ज के बोझ में दबे रहने के कारण जवानों ने आत्महत्या कर ली। पिछले एक दशक में सीआरपीएफ के जवानों को बहुत कम छुट्टियां मिल रही हैं। उनसे लगातार काम लिया जा रहा है। सीआरपीएफ के जवानों पर काम का दबाव अत्यधिक है। सीनियर छोटी छोटी सी गलतियों पर बड़ी सजा दे रहे हैं। जिसके कारण सीआरपीएफ के जवान सबसे बड़े मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं।जो आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है।

झोलाछाप डॉक्टर ने 11 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

नई दिल्ली । झोलाछाप डॉक्टर ने गुरुवार को नोयडा के फेज-1 थाना क्षेत्र में पड़ोस में रहने वाली 11 साल की बच्ची से क्लीनिक में ही बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। बलात्कार करने के आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को पुलिस ने गुरुवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि फेज-1 थाना क्षेत्र के सेक्टर 8 में आरोपी शहजाद (40) अपनी क्लीनिक चलाता था। गुरुवार दोपहर को उसने पड़ोस में रहने वाली 11 वर्षीय बच्ची को लालच देकर अपनी क्लीनिक में बुलाया और उससे बलात्कार किया तथा उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी घटना के बाद से फरार था। डीसीपी ने बताया कि घटना के बाद बच्ची ने अपने परिजनों को आप बीती सुनाई जिसके बाद उन्होंने पुलिस में मामला दर्ज करवाया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए 12 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीम गठित की गई थी।

कर्नाटक में जीका वायरस की पुष्टि, राज्य सरकार अलर्ट

बेंगलुरु । कर्नाटक में जीका वायरस मिलने के बाद राज्य सरकार ने अलर्ट जारी किया है। कुछ महीने पहले राज्य स्तर पर अभियान चलाया गया था, जिसके तहत कर्नाटक के अलग-अलग जिलों के जलाशयों से सैंपल लिए गए थे, जिसमें जीका वायरस की पुष्टि हुई थी। चिक्काबल्लापुरा के तलकायालाबेट्टा गांव में मच्छरों के सैंपल जीका वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद राज्य स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। ये सैंपल अगस्त में बेंगलुरु से लगभग 60 किमी दूर तलकायालाबेट्टा क्षेत्र से एकत्र किए गए थे। मामले से परिचित अधिकारियों ने कहा कि एहतियात के तौर पर, क्षेत्र में बुखार के मामलों का व्यापक विश्लेषण चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य अधिकारियों ने तेज बुखार वाले व्यक्तियों के ब्लड सैंपल को टेस्टिंग के लिए एनआईवी भेजा है। स्वास्थ्य विभाग ने हालांकि स्पष्ट किया कि हालांकि तालाकायालाबेट्टा के मच्छरों के सैंपल में जीका वायरस पाया गया है, लेकिन मनुष्यों में अब तक कोई मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, एहतियात के तौर पर अधिकारियों ने मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्र के पांच किलोमीटर के दायरे में अलर्ट जारी किया है। कर्नाटक सरकार में स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने जनता को आश्वस्त किया कि किसी भी व्यक्ति में जीका वायरस की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'वायरस एक मच्छर में पाया गया है। ये रिपोर्ट 10 दिन पहले आई थी। जीका वायरस से डरें नहीं। कुछ लोगों में बुखार और चकत्ते के कुछ लक्षण दिख रहे थे। उन्हें अस्पताल में रखकर जांच की गई है। उनके नमूने आगे की जांच के लिए भेज दिए गए हैं। इनमें से कुछ को अस्पताल से छुट्टी भी मिल चुकी है। हमें केवल गर्भवती महिलाओं पर ही सावधानी बरतने की जरूरत है, जहां इसका असर बच्चे पर पड़ सकता है। अभी तक ऐसी कोई बात सामने नहीं आई है। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे घबराएं नहीं। हमारा विभाग इस पर पूरी तरह से नजर रख रहा है। उम्मीद है कि कहीं भी इसका प्रकोप नहीं होगा।

फिर बढ़ी सांसद आजम खान की परेशानी

रामपुर । राम जिला विद्यालय निरीक्षक ने रामपुर में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान के मौलाना मुहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के कब्जे वाले एक भवन को खाली करने का नोटिस जारी किया। इससे पूर्व, उत्तर प्रदेश की कैबिनेट ने जौहर ट्रस्ट को लीज पर दी गई 41,000 वर्ग फुट से अधिक की जमीन का स्वामित्व वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और इस राज्य सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग को हस्तांतरित करने का आदेश दिया था। जिला विद्यालय निरीक्षक, इस जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग का एक अधिकारी है। इस नोटिस में कैबिनेट के निर्णय का हवाला देकर सात दिनों के भीतर भवन को खाली करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, योगी सरकार ने कहा था कि रामपुर जिले के पुराने मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक स्कूल (क्षेत्र 41,181 वर्ग फुट), जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी का कार्यालय स्थित था, 30 वर्षों के लिए सालाना 100 रुपये की दर पर जौहर ट्रस्ट, रामपुर को आवंटित किया गया था। बयान में कहा गया था कि लीज पर आबंटित भवन/ भूमि को वापस लेने और इस भवन / भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार (माध्यमिक शिक्षा विभाग) में निहित करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में रामपुर की अदालत द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटा अब्दुल्ला आजम वर्तमान में जेल में बंद हैं।

'प्रदूषण से भी ज्यादा दिल्ली के लिए खतरनाक हैं केजरीवाल', बीजेपी बोली- इनका मकसद ओछी और घटिया राजनीति है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमलावर है। आज इसी को लेकर भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण से आम लोगों को खतरा है, लेकिन उससे भी ज्यादा खतरा अगर कोई है तो वो हैं अरविंद केजरीवाल। उन्होंने कहा कि उनका मकसद सस्ती राजनीति करना है...हवा में प्रदूषण अरविंद केजरीवाल के प्रयासों की कमी का नतीजा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हवाओं में जो प्रदूषण का कहर है, ये केजरीवाल के निकम्मेपन का कहर है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा मुख्यमंत्री दिल्ली में है, जिसको सिर्फ रुपया कमाने से मलतब है। उसको अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाहन करने से कोई मतलब नहीं है।

भाटिया ने कहा कि 3 नवंबर, 2022 एक साल पहले, इसी तरह का प्रदूषण था। केंद्र सरकार पूरी सहायता कर रही थी, पंजाब की सरकार को भी और दिल्ली की सरकार को भी कि आप ठोस कदम उठाइए प्रदूषण नियंत्रित होगा। लेकिन निकम्मे केजरीवाल और पंजाब सरकार ने वह कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि आज से एक साल पहले, 3 नवंबर 2022 को पंजाब सरकार के लिए केजरीवाल ने कहा था, '6 महीने हुए हैं, बहुत वर्षों से ये समस्या चल रही है। एक साल और दे दो, अगले साल इसे ठीक करके दिखा देंगे।' एक

साल पूरा हो गया जी...। उन्होंने कहा कि कागज पर हर समस्या का समाधान है केजरीवाल के पास, लेकिन कुछ समय बाद वह समाधान इन्हें याद दिलाओ तो ये गजनी बन जाते हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दो साल पहले प्रेस से बात करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि स्मॉग टावर से दिल्ली का प्रदूषण खत्म होगा। उनकी सरकार ने कनॉट प्लेस में लगे स्मॉग टावर पर जनता के 25 करोड़ रुपये खर्च किए। जब मीडियाकर्मी और बीजेपी कार्यकर्ता पहुंचे स्मॉग टावर पर नजर डालें, वहां ताला लगा हुआ था... ये स्मॉग टावर नहीं हैं, ये उसके भ्रष्टाचार के टावर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय से एक सवाल पूछा गया कि दिल्ली में प्रदूषण इतना बढ़ गया है आप क्या कर रहे हैं? तब इन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस सरकार के कारण दिल्ली में प्रदूषण बढ़ गया है और आज जब पंजाब में 'आप' की सरकार है तो कहते है कि केंद्र सरकार के कारण दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय जनता दल की योजना पर पानी फेरने खुद नीतीश मैदान में उतरे

नई दिल्ली। बिहार में एक लाख 20 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई। बिहार सरकार ने नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बाकायदा कार्यक्रम भी आयोजित किया है। इस आयोजन के एक दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी ही सरकार के मंत्री की क्लास लगा दी। इसके बाद दो वाकये ऐसे हुए, जो ये बताते हैं कि महागठबंधन सरकार में शामिल राष्ट्रीय जनता दल का प्लान फेल करने के लिए सीएम नीतीश खुद उतर गए हैं। दरअसल, बिहार में एक साथ हुई इतने शिक्षकों की भर्ती को लेकर पिछले कुछ दिनों से क्रेडिट वॉर छिड़ा हुआ है। शिक्षक भर्ती को आरजेडी विधानसभा चुनाव के समय किए रोजगार के वादे से जोड़कर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। और यही बात बिहार में बहार है, नीतीशे कुमार है नारा देने वाली जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को नागवार गुजर रही है। ऊर्जा विभाग के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी ही सरकार में आरजेडी कोटे के मंत्री आलोक मेहता को अपना और पार्टी का क्रेडिट लेने में नहीं लगे रहने की नसीहत दे डाली। इसे लेकर सवाल उठ ही रहे थे कि जिन नीतीश कुमार ने कुछ दिन पहले ही तेजस्वी को अपना बच्चा बताते हुए ये कहा था कि उनके लिए सबकुछ है, अचानक तल्ख क्यों हो गए। अब पटना के गांधी मैदान में मंच पर लगे पोस्टर और अखबारों में एक विज्ञापन को लेकर ये सवाल भी उठने लगे हैं कि नीतीश और आरजेडी के बीच क्या सबकुछ ठीक है? जेडीयू भी पहले ही ये साफ कह चुकी है कि इसका श्रेय नीतीश कुमार को जाता है।

फिर कैश से चंदा व्यवस्था की आहट ने बढ़ाई चिंता, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनैतिक दलों को लंबे समय से चंदा मिलता रहा है। इसी बीच गफलतों को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। किसने और कितना चंदा दिया ये जानने की उत्सुकता आम लोगों के मन में भी रही है। लेकिन राजनैतिक दल नहीं चाहते थे कि चंदे को लेकर सबकुछ सार्वजनिक किया जाए। हालांकि बीच में कुछ ऐसी परिस्थितियां बनी, कि चंदे में आई रकम को लेकर बहुत कुछ सार्वजनिक होने लगा। अब एक बार फिर कैश से चंदा व्यवस्था की आहट आने लगी है। जिसको लेकर देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने भी चिंता व्यक्त की है।

हाल ही में इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान चुनाव आयोग ने एससी को बताया कि उसने लोकसभा चुनाव से पहले मिले चंदे का आंकड़ा लिया था, लेकिन उसके बाद का नहीं लिया। 5 जजों की बेंच की अध्यक्षता कर रहे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस पर कहा कि सरकार के उद्देश्य पर वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। वह निश्चित रूप से ऐसा नहीं चाहते कि पुरानी कैश से चंदा व्यवस्था लौटे। वह पूरी प्रक्रिया का भी सम्मान करते हैं, लेकिन कमियां हर व्यवस्था में हो सकती हैं और उसे बेहतर बनाने का प्रयास होना चाहिए।कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए चुनाव आयोग से कहा कि वह 30 सितंबर 2023 तक का राजनीतिक पार्टियों को इलेक्टोरल बॉन्ड से हुई आमदनी का आंकड़ा पेश करे। कोर्ट ने यह तब कहा जब चुनाव आयोग के वकील ने बताया कि सभी रजिस्टर्ड राजनीतिक दल हर साल 30 सितंबर तक उसे अपने आयकर रिटर्न की जानकारी देते हैं। इसके माध्यम से पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिले पैसों का पता चल सकता है।

दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव से पहले, 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह सभी पार्टियों से उन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड से मिले पैसों और दान देने वाले लोगों की पूरी जानकारी ले और उस जानकारी को अपने पास सीलबंद लिफाफे में रखे। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कोर्ट को बताया कि उसने लोकसभा चुनाव से पहले मिले चंदे का आंकड़ा लिया था, लेकिन उसके बाद का नहीं क्योंकि उस पर कोर्ट का आदेश स्पष्ट नहीं था. आयोग के वकील ने बताया कि अप्रैल 2019 के बाद के दानदाताओं के नाम तो उसके पास नहीं हैं, लेकिन पार्टियां हर साल जो जानकारी उसे देती हैं, उससे दान की कुल रकम की जानकारी मिल सकती है।

तीन दिन तक चली सुनवाई के अंतिम दिन बहस की शुरुआत सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने की। उन्होंने अपनी दलीलों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना एक अच्छे उद्देश्य से लागू की। इसके चलते राजनीति में काले धन का प्रवाह रोकने की कोशिश की गई है। सॉलिसीटर जनरल ने यह भी कहा कि किसी कंपनी से मिलने वाले चंदे को हमेशा रिश्वत की तरह नहीं देखना चाहिए। एक व्यापारी इस बात के लिए भी किसी पार्टी को चंदा देता है कि वह पार्टी व्यापार के लिए एक अच्छा माहौल बना सकती है। मेहता के बाद अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने अपनी दलीलें रखीं। वेंकटरमनी ने साफ किया कि उन्होंने कभी भी ऐसा नहीं कहा कि लोगों को जानकारी पाने का हक नहीं है, लेकिन मीडिया में कुछ जगहों पर उनके हवाले से ऐसा लिख दिया गया. वोटर को किसी उम्मीदवार के आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में जानने का हक है। ताकि वह सही व्यक्ति को चुन सके, लेकिन किसी पार्टी को वह वोट उसकी नीतियों के आधार पर देता है, उसे मिलने वाले चंदे के आधार पर नहीं।

बिना नाम लिए चीन को आर्मी चीफ का संदेश, कहा- विवाद करना भारत की फितरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने शुक्रवार को कहा कि भारत का दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन पर जोर देता है। चाणक्य रक्षा संवाद में एक संबोधन में जनरल पांडे ने यह भी कहा कि भारत दुनिया भर में नए स्थानों पर रक्षा शाखाएं स्थापित कर रहा है और सेना मित्रवत विदेशी साझेदार देशों के साथ संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण और अभ्यास के दायरे और पैमाने को बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

वर्तमान भू-राजनीतिक उथल-पुथल पर चर्चा करते हुए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा की बढ़ती महत्ता और कठोर शक्ति की नवीनीकृत मुद्रा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने निराशा और भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच भारत को उज्ज्वल स्थान बताया। जनरल पांडेय ने कोई विशेष संदर्भ दिए बिना कहा कि हमारा दृष्टिकोण सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान, सभी की समानता, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, बल के उपयोग से बचने और अंतरराष्ट्रीय नियमों, कानूनों और विनियमों के पालन पर जोर देता है।

थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि सभी हितधारकों को सकारात्मक रूप से शामिल करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता वर्षों से अटूट और स्थायी रही है। उन्होंने कहा कि सैन्य क्षेत्र में हम उभरती बहुपक्षीय वास्तुकला में अपनी भूमिका को समझते हैं। हम अपने संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यास, अंतरसंचालनीयता, उप-क्षेत्रीय दृष्टिकोण और मित्रवत विदेशी साझेदार देशों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के दायरे और पैमाने को बढ़ाने के इच्छुक हैं। हमारे रक्षा सहयोग आउटरीच को बढ़ावा देने के लिए, हम स्थापित कर रहे हैं।

सिद्धारमैया ने कहा, गलतफहमी ना पाले मैं ही पांच साल सीएम रहूंगा

-पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने कहा, डीके और सीएम के बीच खटपट

बेंगलुरु । कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनते ही लगातार खींचतान की खबरें सामने आ रही हैं। सीएम सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सब ठीक न होने की चर्चा जोरों पर है। इस चर्चा को और बल तब मिला है। तब किसी और मंत्री या नेता के बयान से नहीं बल्कि खुद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बयान ने खलबली मचा दी है। सिद्धारमैया ने कहा है कि वह ही पूरे पांच साल तक कर्नाटक के सीएम पद पर रहूंगा। उन्होंने यह बात सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक वर्ग के भीतर सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद नेतृत्व परिवर्तन की बात कहे जाने पर कही है। जब सिद्धारमैया से मुख्यमंत्री परिवर्तन के बारे में पार्टी के भीतर से बार-बार भ्रमित करने वाले बयानों के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, भ्रमित करने वाला बयान किसने दिया है? अगर कोई बेकार बोलता है, तब आप उस बात को महत्व क्यों देते हो। सिद्धारमैया से जब पूछा गया कि क्या वह पूरे पांच साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे? उन्होंने कहा, पांच साल तक हमारी सरकार रहेगी...मैं मुख्यमंत्री हूं, मैं बना रहूंगा। तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की अटकलों पर उन्होंने कहा, किसने कहा?

बता दें कि डीके के अलावा दो और मुख्यमंत्री बनाए जाने की अटकलें भी चल रही हैं। इस पर सिद्धारमैया ने कहा, यह सब आलाकमान तय करता है। कांग्रेस क्षेत्रीय पार्टी नहीं, राष्ट्रीय पार्टी है। बिना आलाकमान से चर्चा के कुछ भी तय नहीं होता। मुख्यमंत्री के रूप में मैं या विधायक सरकार नहीं बदल सकते। हमारे पास आलाकमान है, वहां निर्णय लेगा।

राम मंदिर पर कमल नाथ के बयान पर ओवैसी बोले- बाबरी मस्जिद विध्वंस में कांग्रेस की भूमिका भाजपा- आरएसएस के बराबर

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को कहा कि बाबरी मस्जिद के विध्वंस में कांग्रेस पार्टी की भूमिका भाजपा और आरएसएस के समान थी। हैदराबाद में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, ओवैसी ने यह भी घोषणा की कि उनकी पार्टी 30 नवंबर के विधानसभा चुनावों के लिए नौ निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े करेगी। ओवैसी ने कहा कि मैंने कांग्रेस नेता कमल नाथ का बयान देखा है। मैं कहता रहा हूं कि बाबरी मस्जिद विध्वंस में कांग्रेस की भूमिका भाजपा, आरएसएस की भूमिका के समान थी। कमलनाथ के बयान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि बाबरी मस्जिद विध्वंस के लिए कांग्रेस भी बराबर की जिम्मेदार थी।

ओवैसी का वार- असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि कमलनाथ ने साबित कर दिया है कि बाबरी मस्जिद के विध्वंस में कांग्रेस की बीजेपी और आरएसएस के बराबर भूमिका थी। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस और बीजेपी दोनों हिंदुत्व की विचारधारा पर काम करते हैं। अब, हमें उम्मीद है कि पीएम मोदी ऐसा करेंगे। जनवरी में जब राहुल गांधी किसी कार्यक्रम में जाएं तो उन्हें अपने साथ ले जाएं, राम-श्याम की जोड़ी अच्छी रहेगी। कमलनाथ ने दावा किया कि अयोध्या में राम मंदिर का ताला राजीव गांधी ने ही खोला था। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। राम मंदिर किसी एक पार्टी या व्यक्ति का नहीं है। यह हमारे पूरे देश और हर नागरिक का है। कमलनाथ ने आरोप लगाया कि भाजपा राम मंदिर को अपनी संपत्ति समझ कर इसे हड़पना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे अपने घर से तो नहीं बनाया है। सरकार के पैसों से बनाया गया है।

क्या हुआ था- 1986 में राजीव गांधी के इस कदम को 1992 में मस्जिद के विध्वंस की अगुवाई में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में देखा जाता है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस भारतीय राजनीति में एक विवादास्पद और गहरा विभाजनकारी मुद्दा बना हुआ है। 1992 में मस्जिद के विनाश के कारण सांप्रदायिक हिंसा हुई और यह गरमागरम बहस का विषय बनी हुई है। बाद की कानूनी लड़ाई 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में समाप्त हुई, जिसने विवादित स्थल हिंदू पक्षों को दे दिया, जिससे राम मंदिर के निर्माण की अनुमति मिल गई।

मणिपुर भारत का पहला राज्य जिसमें दो समुदायों में बंटी सारी व्यवस्थाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफाल भारत का पहला राज्य मणिपुर है। जिसमें दो समुदाय आपस में बंटे हुए हैं। सरकारी कार्यालयों में भी सरकारी कर्मचारी बटे हुए हैं। थाने भी बटे हुए हैं।अस्पतालों में भी यह बटवारा देखने को मिल रहा है। भारत में ऐसा और कोई अन्य राज्य नहीं है। जहां इस तरह की व्यवस्था चल रही हो।

मणिपुर में मेतई और कुकी समुदाय के बीच में पिछले कई महीनो से हिंसक झड़पें हो रही हैं। हिंसक वारदात के पहले मेतई और कुकी समुदाय के लोग एक साथ मिलकर रहते थे। पिछले 8-9 महीना से हालात पूरी तरीके से बदल गए हैं। 34 लाख की आबादी वाले इस प्रदेश का मेतई ओर कुकी का दो भागों में बंटवारा हो चुका है।

कुकी बहुल चुराचांदपुर टँगनौपोल, कांगपोकपी, थाईजाल,चांदेल, जिलों में अब कोई भी मेतई नहीं बचा है। इसी तरह मेतई बाहुल्य इंफाल वेस्ट, ईस्ट, विष्णुपुर,थोउबल, काकचिंग,कप्सिन से कुकी पूरी तरह से पलायन कर चुके हैं। इंफाल में करीब 30000 कुकी रहते थे। जो अब छोड़कर चले गए हैं। इसी तरह से पहाड़ी क्षेत्र में 40000 से ज्यादा मेतई कई वर्षों से रहते आ रहे थे। वह भी अपने घर छोड़कर चले गए हैं। 50000 से ज्यादा लोगों के घर उजड़ चुके हैं। हजारों लोग अभी भी शरणार्थी शिवरों में रहने के लिए विवश हैं।

नौ जिलों में रात का कर्फ्यू

रात 10 बजे से सुबह 5 तक,जिसमे इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट,झिरीबम, विष्णुपुर,थोउबल, चुराचांदपुर तथा टेंगनाउपोल में कर्फ्यू लगा रहता है। कांगपोकपी में शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक का कर्फ्यू लगा होता है। काक्चिंग और फेरजाल जिले में शाम 6 बजे से सुबह 5 तक कर्फ्यू लगा रहता है।

मुर्दाघरों में 120 शव

मणिपुर के मुर्दाघर में 120 से ज्यादा शव अंतिम संस्कार के इंतजार में रखे हुए हैं। उन्हें कोई लेने के लिए नहीं आ रहा है। ना ही उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है।शव खराब होना शुरू हो गए हैंन मुर्दों को भी यह आशा नहीं रही होगी कि उनकी मरने के बाद इस तरह की स्थिति होगी।

खाने पीने को तरस रहे हैं कूकी

कुकी समुदाय को मिजोरम के ऊपर खाने-पीने के सामान के लिए निर्भर रहना पड़ रहा है। मणिपुर के इंफाल से कोई भी सामान कुकी समुदाय तक नहीं पहुंच पा रहा है। लोगों को खाने-पीने के सामान लाने के लिए 10 से

12 घंटे का सफर मिजोरम तक आने जाने में करना पड़ता है। मणिपुर के जमीनी हालात बहुत खराब है। जहां पर कुकी बाहुल्य क्षेत्र है। वहां पर कुकी नाकाबंदी करते हैं। जहां पर मैतई बाहुल्य क्षेत्र है। वहां मेतई नाकाबंदी करके एक दूसरे की परेशानियों को बढ़ा रहे हैं। मणिपुर की जो हालात है वह किसी अन्य देश में देखने को नहीं मिलती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्य प्रदेश के कुख्यात "पारधी" गिरोह का मुख्य आरोपी चोरी के अपराध में गिरफ्तार

पुलिस ने पांच दिनों तक रास्ते पर गुब्बारें बेचकर रेंकी कर आरोपी को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के खटोदरा पुलिस स्टेशन के पीआई आर.के. धूलिया से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर भटार में स्थित ठाकोर पार्क सोसायटी के घर में पिछले 28 जुलाई को चोरी की घटना हुई थी। जिसमें जगदीश सूखाभाई अहीर के घर को निशाना बनाया गया था। घर के शयनकक्ष में मौजूद अज्ञात हमलावरों ने अलमारी से विभिन्न सोने के आभूषण, कलाई घड़ियां, मोबाइल फोन और 5.54 लाख नकद सहित 11.36 लाख की चोरी कर भाग गए। घटना के बाद, खटोदरा पुलिस ने मामला दर्ज किया घर के मालिक जगदीश सूखाभाई अहीर की शिकायत पर जांच की गई और खटोदरा पुलिस की अलग-अलग टीमें जांच में जुटीं।

इस बीच पुलिस ने घटना स्थल के अलग-अलग इलाकों के सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए। घटना के दौरान सक्रिय मोबाइल नंबरों को ट्रेस किया गया। इनमें से एक मोबाइल नंबर की लोकेशन मध्यप्रदेश के गुना जिले के बाबा का खेजड़ा तालुका के कनेरी गांव में मिली। जिसके आधार पर खटोदरा पुलिस की एक टीम मध्य प्रदेश गई थी। चूँकि मध्य प्रदेश का कनेरी गाँव कुख्यात आरोपियों के लिए जाना जाता है, इसलिए पुलिस ने यहाँ बहुत ही चुस्त तरीके से काम किया। मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी के परिवार तक पहुंची, जहां से पुलिस आरोपी के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सफल रही, लेकिन लगातार आरोपी पर नजर रखने के बावजूद पुलिस आरोपी तक नहीं पहुंच पाई। इसलिए मजबूरन खटोदरा पुलिस टीम को वापस लौटना पड़ा।

इस बार खटोदरा पुलिस को विशेष सूचना मिली कि मध्य प्रदेश का कुख्यात ''पारधी'' गिरोह भटार में लाखों की चोरी में शामिल है और इस गिरोह के मुख्य आरोपी सहित अन्य लोग दिल्ली में खजूरी चौराहे स्थित मेले के बाहर अपने परिवार से मिलने जा रहे हैं। खटोदरा पुलिस ने तुरंत टीमें बनाकर उन्हें दिल्ली भेजा। इधर, खटोदरा पुलिस टीम ने भी ऑपरेशन को बहुत सावधानी से अंजाम दिया क्योंकि मुख्य आरोपी समेत साथी पुलिस पर हमला करने के लिए कुख्यात हैं।

दिल्ली के खजूरी चौराहे के पास लगे मेले के बाहर फुटपाथ पर पुलिसवालों ने गुब्बारे बेचे और आरोपी को पकड़ने के लिए अथक प्रयास किया। इसके लिए पुलिसवालों ने 700 रुपये के गुब्बारे खरीदे और बाजार में लगने वाले मेले की आड़ लेकर गुब्बारे बेचने आए। चोरी के अपराध में शामिल च्पारधीज्ज गिरोह के मुख्य आरोपी अभय उर्फ अक्षय मोहन सोलंकी से मुलाकात की और उसे पकड़ लिया और उसे सूरत ले आए। खटोदरा पुलिस ने आरोपी अभय उर्फ अक्षय मोहन सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया और आगे की पूछताछ की गई। पुलिस जांच में पता चला कि खटोदरा इलाके में चोरी की वारदात को आरोपी अभय उर्फ अक्षय मोहन सोलंकी और उसके चार साथियों ने अंजाम दिया था। ठाकोर पार्क में आरोपी सोसायटी के पीछे आमवाड़ी की दीवार से लोहे की ग्रिल को किसी औजार से मोड़कर बंद घर में घुसे, जहां उन्होंने बेडरूम में रखे सोने के विभिन्न आभूषणों समेत 11.36 लाख रुपये चुरा लिए और ट्रेन से अपने गृहनगर के लिए निकल गए।

इसके अलावा गिरफ्तार आरोपी अभय उर्फ अक्षय सोलंकी अन्य आदतन अपराधी हैं। आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग अपराध दर्ज हैं। पहले भी इस पारधी गिरोह द्वारा पुलिस पर हमला किया जा चुका है। इसलिए मध्य प्रदेश के इस पारधी गिरोह को हमला करने की आदत है।

खटोदरा पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपी दिन में अपनी पत्नियों के साथ शहरी इलाकों में गुब्बारे और खिलौने बेचते थे। और जिन घरों में शादी होती थी, उनके बाहर गुब्बारे बेचने के बहाने रेकी कर लूटपाट करते थे। जिसमें भटार स्थित ठाकोर पार्क सोसाइटी के घर पर भी आरोपियों ने छापा मारा और फिर अपराध को अंजाम दिया। अब पुलिस ने अपराध को सुलझा लिया है और पारधीज्ज गैंग के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। च्वहीं वारदात में शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस जांच में अन्य वारदातें सुलझने की संभावना जताई है।

डेढ़ साल का लापता बच्चा पांच फुट पानी भरे गड्ढे में मिला,बच्चे की डूबने से मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। डिंडोली में प्रधानमंत्री आवास के नवनिर्मित निर्माण स्थल पर पानी से भरे गड्ढे में डेढ़ साल का मासूम डूब गया। माता-पिता मजदूरी करते थे और बच्चा अकेला खेलता था। इसी दौरान खेलते-खेलते पानी से भरे गड्ढे में गिरने से बच्चे की मौत हो गयी। मासूम की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। घटना के बाद डिंडोली पुलिस ने जांच की है।

सूरत के डिंडोली इलाके में आज माता-पिता के लिए लाल बत्ती का एक ऐसा ही मामला सामने आया है। डिंडोली में प्रधानमंत्री आवास के लिए नवनिर्मित निर्माण स्थल काफी समय से चल रहा है। छत्तीसगढ़ के मूल निवासी कांताप्रसाद अपने परिवार के साथ तीन महीने से निर्माण स्थल पर रह रहे हैं और यहीं काम करके अपनी आजीविका कमाते हैं। आज जब वह रोजाना की तरह काम कर रहा था तो उसका डेढ़ साल का बच्चा लवकुमार लापता हो गया। मासूम बेटे के अचानक लापता हो जाने पर परिवार और अन्य सदस्यों ने काफी खोजबीन की।

डेढ़ साल की मासूम की परिजनों और साथी सदस्यों ने काफी खोजबीन की। हालांकि, बच्चा नहीं मिला और पुलिस को सूचना दी गई। सुबह से लापता डेढ़ साल का बच्चा तीन घंटे बाद पानी भरे गड्ढे में पड़ा मिला। बच्चे को ढूंढ लिया गया और तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया, परिवार में मातम छा गया।

घटना के बारे में अधिक जानकारी के मुताबिक मृतक बच्चे के पिता कांताप्रसाद के तीन बच्चे थे। जिसमें मृतक लवकुमार तीसरा बेटा था। घटना के वक्त पति-पत्नी दोनों कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी कर रहे थे। उस समय बेटा लवकुमार अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। फिर वह अचानक गायब हो गया। बाद में सभी लोग बच्चे को ढूंढने लगे। हालाँकि, बच्चा अंतत: निर्माण स्थल के पास ५ फुट पानी से भरे गड्ढे में डूबा हुआ पाया गया।

डिंडोली पुलिस स्टेशन के पीआई आर.जे. चुडासमा ने बताया कि घटना के संबंध में डिंडोली पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि प्रधानमंत्री आवास के निर्माण स्थल पर एक साल और चार महीने का बच्चा यानी १६ महीने का बच्चा लापता हो गया है। इसी बीच पुलिस के वहां पहुंचने से पहले ही बच्चा पानी से भरे गड्ढे में मिल गया। घटना के संबंध में पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

डिंडोली में निर्माण स्थल पर खेलते समय बच्चा लापता, तीन घंटे बाद पानी के कुएं में मिला शव

शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों के बाद अब घोड़े और गधे घूमते दिखे

सूरत में पाल गौरवपथ पर आवारा मवेशियों के बाद एक और आपदा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में सार्वजनिक सड़कों पर घूमने वाली गाय-भैंसों के आतंक को दूर करने में नगर निगम की टीम को पसीना आ रहा है। नगर निगम की तीन शिफ्टों में अलग-अलग क्षेत्रों से आवारा गाय-भैंसें को पकडकर गौशाला भर रही हैं। हालांकि अभी तक यह काम पुख्ता नहीं हो सका है कि नगर निगम के लिए एक और उलझाने वाला सवाल खड़ा हो गया है।

पिछले दो-तीन दिनों से पाल से भेसान तक गौरव पथ पर घोड़े छोड़ दिए गए हों। ये घोड़े सार्वजनिक सड़कों पर पूरी रफ्तार से ऐसे दौड़ रहे हैं। घोड़ों के बेतहाशा दौड़ने से पैदल चलने वालों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन गया है। कल जब मजदूर इस सड़क पर खड़े थे तो दौड़ते बेलगाम आवारा घोड़ों को देखकर मजदूरों में भगदड मच गई थी। इसके अलावा सार्वजनिक सड़क पर घोड़े पूरी रफ्तार से बेलगाम दौड़ रहे थे, इसलिए वाहन चालकों के लिए भी खतरा था। कल सुबह-सुबह इस सड़क पर कई लोग दौड़ते घोड़े से टकराने से बाल-बाल बचे।

इसी तरह शहर की कई सड़कों पर घूमने वाले गधों का उपद्रव भी बढ़ता जा रहा है। सार्वजनिक सड़कों पर गधों के दौड़ने से लोग घबरा रहे हैं। गाय-भैंस के बाद अब लोगों के लिए एक नई आफत आ गई है, लोगों का कहना है कि गाय-भैंस के साथ-साथ सार्वजनिक सड़क पर इस तरह घूमने वाले घोड़े, गधे या किसी अन्य जानवर के मालिकों के खिलाफ एक उदाहरण स्थापित किया जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो चोट लगने या यहां तक कि मौत का भी खतरा रहता है।

सार्वजनिक सड़कों पर बेतरतीब दौड़ते घोड़े और गधे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए खतरा बने

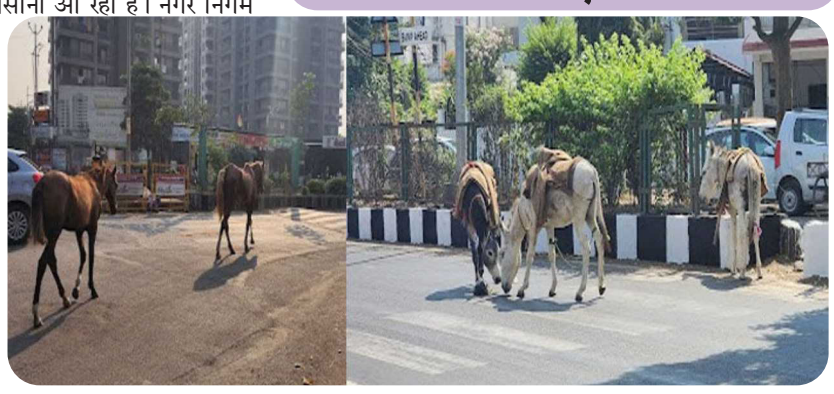

टायर दुकान से 12 लाख का गबन करने वाला मैनेजर गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सरथाणा पुलिस ने सूरत के सरथाणा जकातनाका स्थित एक टायर दुकान के मैनेजर को गिरफ्तार किया है, जिसने डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान कोई कारोबार नही हुआ और जो हुआ है उसकि बिक्री बकाया होने की बात कहकर दुकान मालिक से 12 लाख रुपये की ठगी की थी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रायजोन प्लाजा, सरथाणा जकातनाका स्थित श्री साई टायर्स में कुलदीप पंकजभाई नाथानी (उम्र. 25, निवासी. 84, शुभनंदनी सोसायटी विभाग-2, कामरेज, सूरत. मुल निवासी. मोटा चौक तहसिल शिहोर जिला भावनगर) काम करते हैं। कुलदीप ने दुकान के मालिक कल्पेशभाई गुलाबभाई पटेल को यह कहकर गुमराह किया था कि डेढ़ साल की नौकरी के दौरान कोई व्यवसाय नहीं हुआ और जो माल बेचा गया उसका पैसा बकाया है ऐसा कहकर 12.03 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। जब मालिक कल्पेशभाई को शक हुआ तो उन्होंने जांच की तो पता चला कि मैनेजर कुलदीप ने यह कहकर काम पर आना बंद कर दिया है कि मेरे से पैसे खर्च हो गए हैं।

इस संबंध में कल्पेशभाई ने 20 अक्टूबर को सरथाणा थाने में मैनेजर कुलदीप के खिलाफ गबन की शिकायत दर्ज कराई। सरथाणा पुलिस ने कल कुलदीप को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की।

सूरत के सरथाणा जकातनाका पर मैनेजर ने मालिक के साथ की धोखाधड़ी

॥ श्री मुनिसुव्रतस्वामीने नमः ॥
॥ युगप्रधान दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त-मणीधारी जिनचन्द्र-जिनकुशल-जिनचन्द्र सद्गुरुभ्यो नमः ॥
श्री जिनकुशलसूरि बाड़मेर जैन श्रीसंघ (ट्रस्ट)
भव्य वरघोडा एवं बहुमान समारोह
मुमुक्षुरत्नो
चन्द्रप्रकाश छाजेड़
सम्यक सुराना
हर्षिता छाजेड़
अ.सौ. शितल चौपडा
श्रुति अनिलजी चोपड़ा
सिद्धि अनिलजी चोपड़ा
वृद्धि महेन्द्रजी डागा
अ.सौ. कामिनी सुराना
डॉ. करुणा लोढ़ा
आँचल ज्ञानचंदजी लोढ़ा
सोनाक्षी छाजेड़
शुभ दिन : 05-11-2023 - रविवार
सुबह 8.30 बजे : भव्य वरघोडा
सुबह 10.00 बजे : दिक्षार्थी अभिनन्दन समारोह
कार्यक्रम के पश्चात श्रीसंघ स्वामीभक्ति का लाभ देवे
शुभ स्थल : कुशल दर्शन दादावाडी, पर्वत पाटिया, सूरत.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे